राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 23 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-327 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

शाह के इस्तीफे के लिए अब कांग्रेस चलाएगी कैंपेन

● 26 जनवरी तक देशभर में प्रदर्शन होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह की इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी अगले साल 26 जनवरी तक देशभर में कैंपेन चलाएगी। 22 और 23 दिसंबर को कांग्रेस के नेता 150 से ज्यादा शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। 24 मार्च को कलेक्ट्रेट पर मार्च निकालेंगे। 27 दिसंबर को कर्नाटक के

बेलगावी में पार्टी बड़ी रैली होगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को बताया कि संसद सत्र में संविधान पर चर्चा के दौरान अमित शाह ने अपने भाषण में बाबा साहब का अपमान किया है। शाह के बयान से सभी आहत हैं। अब तक अमित शाह या प्रधानमंत्री ने इसके लिए माफी मांगने की कोशिश नहीं की। कांग्रेस गणतंत्र दिवस यानी 26 जनवरी तक इस मुद्दे को देशभर में उठाएगी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी जानकारी दी थी कि लोकसभा और राज्यसभा के कांग्रेस सांसद सीडब्ल्यूसी सदस्यों के साथ देश भर के 150 अलग-अलग शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करेंगे।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की बढ़ेगी मुसीबत

बरेली कोर्ट ने किया तलब,7 जनवरी को होगी सुनवाई

बरेली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सांसद राहुल गांधी के आर्थिक सर्वेक्षण संबंधी दिए गए बयान को लेकर बरेली जिला एवं सत्र न्यायालय ने उन्हें नोटिस जारी किया। कोर्ट सुनवाई के लिए 7 जनवरी 2025 तारीख तय हुई है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुधीर कुमार ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के विरुद्ध फौजदारी निगरानी स्वीकार कर शनिवार को सुनवाई करते नोटिस भेजकर तलब किया है। बरेली

सुभाषनगर निवासी अखिल भारतीय हिंदू महासंघ मंडल अध्यक्ष पंकज पाठक ने अधिवक्ता वीरेंद्र पाल गुप्ता और अनिल द्विवेदी माध्यम से राहुल गांधी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए एमएलए-एमपी कोर्ट/सीजेएम कोर्ट में अर्जी दी थी। इसे कोर्ट ने 27 अगस्त को निरस्त कर दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए सेशन कोर्ट में रिवीजन फाइल की गई। अधिवक्ता वीरेंद्र पाल गुप्ता ने बताया कि राहुल गांधी राजनीतिक लाभ के लिए वर्ग विद्वेष की भावना पैदा कर रहे हैं। कांग्रेस को सत्ता में लाने की ललक ठीक नहीं है।

महाकुंभ में नागा साधुओं के 'करतब' ने मोहा मन

● माथे पर भभूत, गले में रुद्राक्ष और तलवारें लहराते हुए निकले ● ऊंट-बग्घी, थार पर पेशवाई निकाली, भक्तों ने छतों से बरसाए फूल

प्रयागराज (एजेंसी)। लाठी-तलवार लहराते नागा साधु। माथे पर भभूत। गले में रुद्राक्ष। ऊंट, थार और बग्घी पर जाते संत। कुछ इस अंदाज में महाकुंभ के लिए पंचदशनाम आह्वान अखाड़े ने पेशवाई निकाली। रविवार सुबह 9 बजे नैनी के मड़ौका आश्रम से साधु-संत संगम के लिए निकले। संत आगे-आगे ढोल-नगाड़े के साथ चल रहे थे, पीछे डीजे। उनकी अगवानी के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़कों के किनारे खड़े थे। महिलाओं ने छतों से फूल बरसाकर स्वागत किया। लोगों ने संतों के साथ सेल्फी ली। नैनी से संगम की दूरी 15 किलोमीटर है। संगम की रेती पर साधु-संत जप-तप करेंगे। साधुओं ने बताया- सुबह पहले आश्रम में संतों ने भगवान गणेश को खिचड़ी का भोग लगाया। इसके बाद प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद शोभायात्रा की शुरुआत हुई। महंत राहुल गिरी ने बताया-

मुगल काल से पेशवाई शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा था। इसलिए उसे हटाकर छावनी प्रवेश कर दिया गया है। हम गाजे-बाजे के साथ छावनी प्रवेश निकाल रहे हैं। हम संगम की रेती पर अपने देवता को स्थापित करेंगे। इससे ही कुंभ मेले का प्रारंभ होगा। नागा साधु संन्यासी संप्रदाय से जुड़े होते हैं। ये अपने शरीर पर भस्म रमाते हैं और निर्वस्त्र रहते हैं। इनका उद्देश्य सांसारिक मोह-माया से दूर रहकर ईश्वर की साधना करना होता है। नागा साधु बनने की प्रक्रिया काफी चुनौती भरी होती है। नागा साधु बनने के लिए व्यक्ति को दीक्षा प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। अखाड़ा समिति यह देखती है कि व्यक्ति नागा साधु की दीक्षा प्राप्त करने योग्य है या नहीं। चयन होने के बाद यह प्रक्रिया करीब 12 साल की होती है। दीक्षा के दौरान साधकों को काफी कठोर तप और संयम का पालन करना होता है। आखिरी चरण में उन्हें शाही स्नान के दौरान नागा साधुओं के अखाड़े में शामिल किया जाता है। नागा साधु अपने शरीर पर कपड़े इसलिए नहीं पहनते, क्योंकि वे वस्त्रों को सांसारिक जीवन और आडंबर मानते हैं। बड़ी बात यह है कि नागा साधु सोने के लिए बिस्तर का भी इस्तेमाल नहीं करते। महाकुंभ में नागा साधुओं का शाही स्नान देखने के लिए देश-विदेश से करोड़ों लोग आते हैं। महाकुंभ में लाखों संत और अखाड़े शामिल होते हैं।

भीषण ठंड का कहर घाटी में जम गए झरने

चिल्लई कलां से कांप रहा है कश्मीर,-4 तक पहुंचा पारा

एमपी-यूपी समेत कई राज्यों में बन रहे बारिश के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के उत्तरी राज्यों में तेज सर्दी का दौर जारी है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में में तापमान 0 डिग्री के नीचे बना हुआ है। हिमाचल में आज बर्फबारी का भी अलर्ट जारी किया गया है। इससे तापमान में और भी ज्यादा गिरावट हो सकती है। पंजाब-हरियाणा में भी शीतलहर के कारण तापमान में गिरावट दर्ज हुई। चंडीगढ़ में तापमान 0.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, पंजाब के आदमपुर इलाके में पारा 1.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। पंजाब में घना कोहरा भी देखने को मिला। अमृतसर, तरनतारन, बठिंडा, लुधियाना और बरनाला में विजिबिलिटी 100 मीटर दर्ज की गई। बर्फबारी और तेज सर्दी के साथ मौसम विभाग ने कुछ राज्यों में बारिश का भी अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश के 6 जिलों आज बारिश का भी अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश राजस्थान में कल से बारिश होने की संभावना जताई गई है। जम्मू-कश्मीर में आज से चिल्लई कलां की शुरुआत हुई है। चिल्लई फारसी शब्द है, हिंदी में इसका मतलब बहुत ज्यादा ठंड होता है। अब अगले 40 दिन यहां काफी बर्फबारी होगी।

राजस्थान में अब खत्म होगा वाइस प्रिंसिपल का पद

गहलोत राज के एक और फैसले को पलटने का निर्णय

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में भजनलाल सरकार शिक्षा विभाग को लेकर बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके चलते अब प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में वाइस प्रिंसिपल का पद समाप्त किया जाएगा। इसको लेकर शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया है। इसके तहत अब वाइस प्रिंसिपल के पद को डाइंग कैडर बनाने पर सहमति हुई है, अभी जो वाइस प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत शिक्षक हैं, उन्हें अब प्रमोशन दिया जाएगा, लेकिन इसके बाद इस पद पर किसी की भी नियुक्ति नहीं होगी। सरकारी विद्यालयों में वाइस प्रिंसिपल पद को समाप्त किए जाने को लेकर शिक्षक संघ लंबे समय से मांग कर रहे थे। उनका कहना है कि वाइस प्रिंसिपल पोस्ट के कारण उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है। अब शिक्षक सीधे प्रिंसिपल के रुप में पदोन्नत हो पाएंगे, अभी व्याख्याता 4800 ग्रेड पे से पदोन्नत होकर 5400 ग्रेड पे पर वाइस प्रिंसिपल बनते हैं, लेकिन उन्हें नए नियम से फायदा होगा और 6600 ग्रेड पे के आधार पर प्रिंसिपल पर प्रमोशन होगा। शिक्षक संघ की मांग को लेकर शिक्षा विभाग ने भी जायज माना है, उन्होंने समीक्षा बैठक में इसे स्वीकार किया कि स्कूलों में वाइस प्रिंसिपल पद की कोई आवश्यकता नहीं है।

हमारे फैसलों पर कोई वीटो नहीं लगा सकता..

दिल्ली के मंच से दुनिया को जयशंकर का सख्त संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को भारत की स्वतंत्र विदेश नीति पर जोर दिया। उन्होंने सांस्कृतिक विरासत के महत्व पर भी बात की। जयशंकर ने कहा कि भारत अपने फैसलों में राष्ट्रीय हित और वैश्विक भलाई को प्राथमिकता देगा। उन्हें 27वां श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती राष्ट्रीय एमिनेंस अवार्ड मिला है। यह कार्यक्रम नई दिल्ली में हुआ। जयशंकर ने कहा कि स्वतंत्रता को कभी भी तटस्थता से भ्रमित नहीं करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हम अपने राष्ट्रीय हित और वैश्विक भलाई के लिए जो भी सही होगा वो करेंगे। किसी के दबाव में नहीं आएंगे। भारत कभी किसी और को अपनी पसंद पर वीटो नहीं करने देगा। जयशंकर ने कहा कि भारत को आगे बढ़ते हुए अपनी परंपराओं को अपनाना चाहिए। उनका मानना है कि भारत की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति के महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं। दुनिया भारत की विरासत से सीख सकती है। उन्होंने वैश्वीकृत दुनिया में परंपरा और तकनीक के बीच संतुलन बनाने के महत्व पर जोर दिया। विदेश मंत्री का मानना है कि भारत को अपनी सांस्कृतिक ताकत का इस्तेमाल वैश्विक प्रभाव हासिल करने के लिए करना चाहिए। उन्होंने युवा पीढ़ी को अपनी विरासत के मूल्य को समझने के लिए प्रोत्साहित किया।

● कहा-हमारी आजादी को न्यूट्रेलिटी से कनफ्यूज न करें

● विदेश मंत्री ने कहा- हम वही करेंगे जो राष्ट्रहित में होगा

पीएम मोदी को मिला कुवैत का सर्वोच्च सम्मान

● 'ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर' से किए गए सम्मानित ● अब तक 20 देश कर चुके हैं सम्मानित, बढ़ा देश का मान

कुवैत सिटी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कुवैत दौरे के दूसरे दिन सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर से सम्मानित किया गया है। उन्हें ये सम्मान कुवैत के अमीर शेख मिशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा ने दिया। ये सम्मान पाने वाले मोदी पहले भारतीय पीएम हैं। मोदी को किसी देश से मिलने वाला ये 20वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर कुवैत का एक नाइटहुड ऑर्डर है। यह कुवैत का सर्वोच्च सम्मान है। यह अवार्ड दोस्ती की निशानी के तौर पर राष्ट्राध्यक्षों और विदेशी शासकों और विदेशी शाही परिवारों के सदस्यों को दिया जाता है।

कुवैत में भारतीयों ने भारतीयता का तड़का लगाया

मोदी ने कहा कि आपमें से कितने ही लोग पीढ़ियों से कुवैत में रह रहे हैं। बहुत सारे लोगों का जन्म ही यहीं हुआ है। हर साल यहां रहने वाले भारतीयों की संख्या बढ़ती जा रही है। आपने कुवैत के समाज में भारतीयता का तड़का लगाया है। आपने कुवैत के कैनवास पर भारतीय हुनर का रंग भरा है, यहां भारत के टैलेंट, टेक्नोलॉजी और ट्रेडीशन का मसाला मिक्स किया है। मैं यहां सिर्फ आपसे मिलने नहीं आया हूं बल्कि आप सभी की उपलब्धियों को सेलीब्रेट करने के लिए यहां आया हूं। पीएम ने कहा कि मैंने यहां काम करने वाले भारतीय मजदूरों और कर्मचारियों से मुलाकात की। ये साथी यहां कंस्ट्रक्शन से जुड़े हैं। इसके अलावा बाकी लोग भी दूसरे सेक्टर में पसीना बहा रहे हैं। भारतीय समुदाय के डॉक्टर्स, नर्सें कुवैत के मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए बहुत बड़ी शक्ति हैं।

● भारत और कुवैत को वर्तमान ही नहीं, अतीत ने भी जोड़ा- मोदी ने कहा कि आज भारत रेमिटेंस के मामले में सबसे आगे है, तो इसका बहुत बड़ा श्रेय आप सभी मेहनतकश साथियों को जाता है। देशवासी भी आपके इस योगदान का सम्मान करते हैं। भारत और कुवैत का रिश्ता सभ्यताओं का, व्यापार-कारोबार का है। भारत-कुवैत अरब सागर के दो किनारे पर बसे हैं। हमें सिर्फ डिप्लोमेसी ने ही नहीं दिलों ने भी आपस में जोड़ा है। हमें वर्तमान ही नहीं, अतीत ने भी आपस में जोड़ा है। पीएम ने कहा कि एक वक्त था जब कुवैत से मोती, अच्छी नस्ल के घोड़े भारत जाते थे। वहीं भारत से मसाले, कपड़े, लकड़ी कुवैत आती थीं। कुवैत का मोती, भारत के लिए किसी हीरे से कम नहीं हैं। आज भारत की ज्वैलरी की पूरी दुनिया में धूम है तो इसमें कुवैत को मोतियों का योगदान है। गुजरात में तो हम बड़े-बुजुर्गों से सुनते आए हैं कि किस तरह कुवैत से भारत व्यापारी आया करते थे। 19वीं शताब्दी में ही यहां से व्यापारी सूरत जाने लगे थे। तब सूरत कुवैत के मोतियों के लिए इंटरनेशनल मार्केट हुआ करता था।

संभल में बांके बिहारी मंदिर के बाद मिली रानी की बावड़ी

● खुदाई में दिखी सुरंग और मिलने लगे एक से एक अवशेष ● यहां 46 सालों बाद खुले कार्तिकेय महादेव मंदिर के कपाट

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में 46 सालों बाद कार्तिकेय महादेव मंदिर के जहां एक ओर कपाट खुले तो दूसरी ओर विभिन्न मंदिरों और कूपों के निकलने का सिलसिला शुरू हो गया है। संभल की तहसील चंदौसी इलाके में भी खंडहरनुमा बांके बिहारी मंदिर मिलने के बाद एक प्लॉट में बावड़ी मिली है। सनातन सेवक संघ के पदाधिकारियों की मांग के पश्चात डीएम डॉ.राजेन्द्र पैंसिया के आदेश पर एडीएम न्यायिक और तहसीलदार ने शनिवार को जेसीबी से बावड़ी की खुदाई शुरू करा दी। इस खुदाई के दौरान बावड़ी की सुरंग

में दीवारें जैसे अवशेष नजर आए हैं। जानकारी के मुताबिक संभल जिले की कोतवाली चंदौसी इलाके के मोहल्ला लक्ष्मणगंज में बीते 17 दिसंबर को खंडहरनुमा प्राचीन बांके बिहारी मंदिर मिला था। सनातन सेवक संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख कौशल किशोर वंदेमातरम ने बीते शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया को एक पत्र दिया। इसके माध्यम से अवगत कराते हुए लक्ष्मणगंज में मंदिर के अतिरिक्त बावड़ी होने का दावा किया और उसके सौंदर्यीकरण की मांग की।

आचार संहिता के नियमों में बदलाव पर बवाल

● भड़के मल्लिकार्जुन खड़गे, बोले-यह लोकतंत्र पर है हमला ● कहा-चुनाव नियम बदलना सरकार की सोची-समझी साजिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। वोटिंग नियमों में बदलाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार ने चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर हमला किया है। रविवार सुबह एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा- पहले मोदी सरकार ने सीजेआई को चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाले पैनल से हटा दिया था और अब वे चुनावी जानकारी को जनता से छिपाना चाह रहे हैं। यह सरकार की सोची-समझी साजिश है। जब भी कांग्रेस ने इलेक्शन कमीशन को वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने और ईवीएम में ट्रांसपेरेंसी के बारे में लिखा, तो ईसीआई ने अपमानजनक लहजे में

जवाब दिया और हमारी शिकायतों को भी स्वीकार नहीं किया। दरअसल, केंद्र सरकार ने 20 दिसंबर को पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स को पब्लिक करने से रोकने के लिए चुनाव नियमों में बदलाव किया था। अधिकारियों ने बताया कि इसके इस्तेमाल से पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ करके फेक नैरेटिव फैलाया जा सकता है। बदलाव के बाद भी ये कैंडीडेट्स के लिए उपलब्ध रहेंगे। अन्य लोग इसे लेने के लिए कोर्ट जा सकते हैं। चुनाव आयोग की सिफारिश पर कानून मंत्रालय ने 20 दिसंबर को नियमों में बदलाव का ऐलान किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीर के ज़मीन को मैं उम्मीद बोता हूँ... मैं किसान हूँ

(लेखिका- निमिषा सिंह)

(23 दिसंबर राष्ट्रीय किसान दिवस विशेष)

भारत की ग्रामीण आबादी का अधिकांश हिस्सा जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का 20त्न हिस्सा है अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है जो कि आबादी का लगभग 50त्न है लिहाजा दसवीं भारतीय सरकार ने कृषि उद्योग और किसानों के कल्याण में चौधरी चरण ह्यद्बद्दद्धह्यद्ग योगदान का सम्मान करने के लिए 2001 में उनकी जयंती को किसान दिवस के रूप में नामित करने का फैसला किया। 23 दिसंबर 1902 को गाजियाबाद (पश्चिम उत्तर प्रदेश) के नूरपूर गांव में जन्मे चौधरी चरण सिंह बचपन से ही क्रांतिकारी स्वभाव के रहे हैं। बचपन से ही देश के लिए कुछ करने की ललक रखने वाले चरण सिंह अपने अक्खड़ रवैये और सिद्धांतों से समझौता न करने के लिए मशहूर थे।

आज का मेरा यह लेख बदलते मौसम जीवन और मृत्यु के चक्र और प्रकृति के खिलाफ़ निरंतर संघर्ष को झेलने वाले हमारे उन गुमनाम नायकों को समर्पित है जिनकी खुशियाँ सरल हैं –अच्छा मानसून भरपूर फसल और अपने बच्चों के चेहरे पर मुस्कान हालांकि उनके दुख गहरे हैं – बंजर खेत और बढ़ता कर्ज। राष्ट्रीय किसान दिवस यानी एक ऐसे राजनीतिक व्यक्तित्व की जयंती का दिन जिन्होंने भारतीय राजनीति के जाने कितने ही बड़े संवैधानिक पदों पर रहकर ये दिखा गया कि कतार में खड़े आखिरी व्यक्ति के जीवन में कैसै बदलाव लाया जा सकता है। जी हां मैं बात कर रही हूं किसानों के मसीहा कहे जाने वाले भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जिन्होंने 1979 से 1980 तक के अपने कार्यकाल के दौरान ना केवल किसानों की स्थिति में सुधार लाने का प्रयास किया बल्कि देश की कृषि नीतियों को आकार देने में बेहद अहम भूमिका निभाई और कई कल्याणकारी कार्यक्रम विकसित किए। भारत की ग्रामीण आबादी का अधिकांश हिस्सा जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का 20त्न हिस्सा है अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है जो कि आबादी का लगभग 50त्न है लिहाजा दसवीं भारतीय सरकार ने कृषि उद्योग और किसानों के कल्याण में चौधरी चरण ह्यद्बद्दद्धह्यद्ग योगदान का सम्मान करने के लिए 2001 में उनकी जयंती को किसान दिवस के रूप में नामित करने का फैसला किया। 23 दिसंबर 1902 को गाजियाबाद (पश्चिम उत्तर प्रदेश) के नूरपूर गांव में जन्मे चौधरी चरण सिंह बचपन से ही क्रांतिकारी स्वभाव के रहे हैं। बचपन से ही देश के लिए कुछ करने की ललक रखने वाले चरण सिंह अपने अक्खड़ रवैये और सिद्धांतों से समझौता न करने के लिए मशहूर थे। कांग्रेस में ही रहते हुए उन्होंनने नेहरू के विचारों, योजनाओं और उनकी संकल्पंनाओं को गलत कहने का साहस दिखाया। उनकी शिक्षा सरकारी उच्च विद्यालय और विश्वविद्यालय मेरठ से पूरी हुई। उन्होंने विज्ञान स्नातक कला स्नातकोत्तर और विधि स्नातक की पढ़ाई की थी। कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव पारित हुआ जिससे प्रभावित होकर युवा चौधरी चरण सिंह राजनीति में सक्रिय हो गए। उन्होंने गाजियाबाद में कांग्रेस कमेटी का गठन किया। 1930 में जब महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन का आह्वान किया तो उन्होंने हिंडन नदी पर नमक बनाने के प्रयास के क्रम में उन्हे जेल भी जाना पड़ा। 1937 में छपरौली (उत्तर प्रदेश) विधानसभा के लिए चुने गए एवं 1946, 1952, 1962 एवं 1967 में विधानसभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उनके निर्देशन में ऋण मोचन विधेयक 1939 का मसौदा तैयार किया गया और उसे पूरा किया गया। इस विधेयक का उद्देश्य ग्रामीण आबादी को साहूकारों से बचाना था। 1946 में पंडित गोविंद बल्लभ पंत की सरकार में वह संसदीय सचिव बने और राजस्व, चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, न्याय, सूचना इत्यादि विभिन्न विभागों में कार्य किया। जून 1951 में उन्हें राज्य के कैबिनेट मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया एवं न्याय तथा सूचना विभागों का प्रभार दिया गया। ह्वएक जुलाई1952 को यूपी में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ। यकीनन उनके द्वारा तैयार किया गया जमींदारी उन्मूलन विधेयक राज्य के कल्याणकारी सिद्धांत पर आधारित था। उन्होंने न केवल लेखापाल के पद का सृजन किया बल्कि किसानों के हित में उन्होंने 1954 में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को भी पारित कराया। बाद में 1954 में वे डॉ. सम्पूर्णानन्द के मंत्रिमंडल में राजस्व एवं कृषि मंत्री बने। अप्रैल 1959 में जब उन्होंने पद से इस्तीफा दिया, उस समय उन्होंने राजस्व एवं परिवहन विभाग का प्रभार संभाला हुआ था। श्री सी.बी. गुप्ता के मंत्रालय में वे गृह एवं कृषि मंत्री थे। 1960 में भूमि जोत अधिनियम लाने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी जिसका उद्देश्य भूमि जोत की अधिकतम सीमा को कम करके उसे पूरे राज्य में एक समान बनाना था। श्रीमती सुचेता कृपलानी के मंत्रालय में वे कृषि एवं वन मंत्री (1962-63) रहे। उन्होंने 1965 में कृषि विभाग छोड़ दिया एवं 1966 में स्थानीय स्वशासन विभाग का प्रभार संभाल लिया। कांग्रेस विभाजन के बाद फरवरी 1970 में दूसरी बार वे कांग्रेस पार्टी के समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने हालांकि राज्य में 2 अक्टूबर 1970 को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। निसंदेह एक कठोर कार्यपालक के रूप में ख्याति अर्जित करने वाले चौधरी चरण सिंह प्रशासन में अकुशलता भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करते थे। 28 जुलाई 1979 विषम परिस्थितियों में चौधरी चरण सिंह के सिर पर प्रधानमंत्री का ताज सजा। मगर यह ताज कांटों भरा था। सदन में बहुमत साबित करने के दौरान इंदिरा गांधी ने अपना समर्थन वापस ले लिया और उनकी सरकार गिर गई। मजह 23 दिनों तक प्रधानमंत्री के पद पर काबिज रहे चौधरी चरण सिंह संसद का मुंह नहीं देख पाए। चौधरी चरण सिंह को 20 अगस्त 1979 को अपना इस्तीफा देना पड़ा लेकिन 14 जनवरी 1980 तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहे। वह सामाजिक न्याय में दृढ़ विश्वास रखते थे और लाखों किसानों के बीच उनका विश्वास कायम था। समाज में हाशिए पर पड़े लोगों के सशक्तिकरण के लिए किए गए उनके अथक प्रयास को याद करते हुए फरवरी 2024 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की गयी। सादा जीवन उच्च विचार वाले चौधरी चरण सिंह ने अपने खाली समय में कई किताबें एवं पुस्तिकाएं भी लिखी जिसमें 'ज़मींदारी उन्मूलन', 'भारत की गरीबी और उसका समाधान', 'किसानों की भूसंपत्ति या किसानों के लिए भूमि, 'प्रिवेंशन ऑफ़ डिवीज़न ऑफ़ होल्डिंग्स बिलो ए सर्टेन मिनिमम', 'को-ऑपरेटिव फार्मिंग एक्स-रयेद्' आदि प्रमुख हैं। यकीनन आज राष्ट्रीय किसान दिवस के मौके पर देश भर में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों की योजना बनाई गई होगी जिनमें कार्यक्रम, वाद-विवाद, सेमिनार, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, चर्चाएं, कार्यशालाएं, प्रदर्शनियां और समारोह शामिल होंगे पर क्या इन सभी आयोजनों से हमारे किसान भाइयों के जीवन शैली में कुछ परिवर्तन आएगा। अत्यंत दुखद है कि नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चरल एंड रूरल डेवलपमेंट (ह्वक्चष्ठ) की एक रिपोर्ट में किसान परिवारों की आय के बारे में चौकाने वाले खुलासे किए गए हैं। इसमें बताया गया है कि 2021-22 में प्रति किसान परिवार सभी स्रोतों से औसत मासिक कमाई सिर्फ 13,661 रुपये है। किसान फिर सड़क पर है और एक बार फिर किसान की आय और एमएसपी की कानूनी गारंटी पर बहस छिड़ चुकी है।किसानों पर बढ़ता कर्ज उपज का सही दाम।ना मिलना,बिजली के बढ़ते बिल आदि उनके प्रमुख मुद्दे हैं लेकिन किसानों की प्रमुख मांगें पूरी होना तो दूर उनकी हालत और खराब होती जा रही है। यकीनन जरूरत एक ऐसे माहौल की जिसमें किसानों में प्रगतिशील सोच विकसित हो और वे अपनी फसलों पर ऊँचा मुनाफा पा सकें।

संपादकीय

नशीले पदार्थ

बीते सोमवार सुप्रीम कोर्ट ने नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में संवेदनशील व्यवहार व मानवीय दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया। इस मुहिम से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए अदालत ने दोटूक शब्दों में कहा कि नशे की लत के शिकारों का दानवीकरण करने के बजाय उनके उपचार व पुनर्वास को प्राथमिकता बनाया जाए। यह हकीकत है कि हाल ही के वर्षों में विभिन्न घातक नशीले पदार्थों का प्रयोग तेजी से बढ़ा है, लेकिन ऐसे लोगों के प्रति समाज में दुराग्रहपूर्ण नकारात्मकता होती है। समाज को ऐसे लोगों की पहचान संवेदनशील ढंग से करके, उन्हें इस लत से बचाने के लिये मनोवैज्ञानिक प्रयास करने चाहिए। निस्संदेह, कठोर व्यवहार करने से यह समस्या और जटिल हो जाती है। चिंता की बात यह है कि देश के तमाम इलाकों में नशे की दलदल के विस्तार की खबरें आ रही हैं। लेकिन उस अनुपात में सरकारों की तरफ से इस चुनौती के मुकाबले युद्धस्तर पर पहल होती नजर नहीं आ रही है। वहीं समाज की उदासीनता भी चिंता बढ़ाने वाली है। निस्संदेह, हमें नशे करने वालों को खतरनाक व्यक्ति के रूप में देखने के बजाय, समाज की मुख्यधारा में लाने का प्रयास करना चाहिए। समाज के कठोर व तिरस्कारपूर्ण व्यवहार के चलते नशे के शिकार लोग और गहरी दलदल में उतरते चले जाते हैं। यदि हम इन युवाओं में नशे की दलदल से निकलने इच्छाशक्ति पैदा करें तो नशे के खिलाफ हमारी जंग कामयाब हो सकती है। लेकिन वस्तुस्थिति यह है कि उनके प्रति नकारात्मक धारणा व उपेक्षा से उपजे मनोवैज्ञानिक द्वंद्व से व्यक्ति गहरे नशे की ओर उन्मुख हो जाता है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब हमने वर्ष 2047 तक नशामुक्त भारत बनाने का लक्ष्य रखा है तो उसे पाने के लिये कारगर रणनीति अपनाने की भी जरूरत है। विशेषकर सामाजिक स्तर पर व्यापक व्यावहारिक पहल, जो जमीनी स्तर पर बड़े बदलाव का वाहक बन सके। यह तार्किक है कि सुप्रीम कोर्ट की पीठ को कहना पड़ा कि नशे की लत के शिकार लोगों को अपराधी की तरह देखना गलत है। निश्चित रूप से विभिन्न हितधारकों मसलन केंद्र व राज्य सरकारों, नागरिक समाजों, परिवारों व शैक्षणिक संस्थानों को संकट से निपटने के लिये खुलकर की जाने वाली चर्चाओं पर ध्यान देना चाहिए। इसके विपरीत यदि हम उन्हें अपराधियों की तरह देखते रहे तो उन्हें हम पतन के गर्त की ओर उन्मुख कर देंगे। हम स्वीकार करें कि देश के युवाओं के भविष्य पर संकट मंडरा रहा है। उन्हें करुणा और संवेदनशीलता की दृष्टि से देखे जाने की जरूरत है ताकि उन्हें अपनी स्थिति पर आत्ममंथन का मौका मिल सके। दरअसल, नशे के शिकार ये लोग इस नशे की नदी की छोटी मछलियां हैं। बड़ी मछलियां तो नशीली दवाओं के व्यापारी और तस्कर हैं। जो एक फलते-फूलते अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का हिस्सा हैं। जो कानून व पुलिस की गिरफ्त में आने से बचने के लिये धनबल से तमाम तरीके इजाद कर लेते हैं। इसे पंजाब के हालात के रूप में भी देखा जाना चाहिए। दरअसल, यह सीमा पार से चलाये जा रहे नशे के चक्रव्यूह में फंस रहा है। साल की शुरुआत में अत्यधिक नशे की डोज से मरने की घटनाओं से पंजाब हिल गया था। जरूरी है कि नशे के खिलाफ लड़ाई में युवाओं की माताओं व बहनों को शामिल किया जाए। परिवार का भावनात्मक संबल कई युवाओं को नशे की अंधी गलियों से बाहर निकालने में सहायक होगा। लेकिन नशे के खिलाफ अभियान चलाने के बड़े-बड़े दावे करने वाले तंत्र को बरनाला में नशे के खिलाफ बुलंद आवाज उठाने वाले एक सरपंच की हत्या पर आत्ममंथन करना चाहिए।

किसानो कि बुलंद आवाज़ थे चौधरी चरण सिंह

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा / ईएमएस)

(23 दिसम्बर किसान दिवस पर विशेष)

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह एक व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। वो कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उन का कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता। चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर 1902 को गाजियाबाद जिले के नूरपुर गांव के चौधरी मीर सिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोडने के समर्थन में चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हे 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है।

चौधरी चरण सिंह खुद एक छोटे से गांव में एक किसान के घर जन्मे थे। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुखः दर्द को नजदीकी से देखा जाना था। इसलिये उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे।

उन्होने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितो, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे।

आज देश के किसान कर्ज में डूबे हुये हैं। उनको उनकी उपज का पूरा दाम नहीं मिल पाता है। अपनी खराब आर्थिक स्थिति के चलते देश में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहें हैं। केन्द्र व राज्य सरकारें भी किसानो के भले की योजनायें बना पाने में नाकाम रही है। चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियां किसानो को झांसा देकर उनके वोट बटोर लेती है। फिर किसी का ध्यान किसानो की समस्याओं के समाधान करने की तरफ नहीं जाता है। ऐसे में आज देश के किसानो को चौधरी चरणसिंह जैसे सच्चे किसान हितैषी नेता की जरूरत है। जो उनके हक में खड़ा होकर किसानो की आवाज बुलन्द कर सके व उनका वाजिब हक दिला सके। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति में एक बड़े नेता थे। मगर इंदिरा गांधी के सहयोग से कुछ समय के लिये देश के प्रधानमंत्री बन कर उन्होने देश में पहली बार कांग्रेस के खिलाफ बने एक मजबूत गठबंधन को तोड़ा था। उससे उनकी प्रतिष्ठा को भी गहरा आघात पहुंचा था।

चौधरी चरण सिंह को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। 1952 में डॉक्टर सम्पूर्णानंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। एक जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को खेती करने के अधिकार मिले। 1954 में उन्होने किसानों के हित में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को पारित कराया। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक थे तथा कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्री बनाया गया। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना रहनुमा मानते थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। लोगों के लिए वो एक राजनीतिज्ञ से ज्यादा सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी।

किसानो में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पत्ता भी नहीं हिल पाया था। 17 फरवरी 1970 को वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। अपने सिद्धांतों से उन्होने कभी समझौता नहीं किया। 1977 में चुनाव के बाद जब केन्द्र में जनता पार्टी सत्ता में आई तो मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और चरण सिंह को देश का गृह मंत्री बनाया गया। केन्द्र में गृहमंत्री बनने पर उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वे उप प्रधानमंत्री बने। बाद में मोरारजी देसाई और चरण सिंह के मतभेद हो गये। 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक चौधरी चरण सिंह समाजवादी पार्टियों तथा कांग्रेस के सहयोग से भारत के पांचवें प्रधानमंत्री बने।

चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया। 29 मई 1987 को 84 वर्ष की उम्र में जब उनका देहान्त हुआ तो देश के किसानो ने सरकार में पैरवी करने वाला अपना नेता खो दिया था। लोगों का मानना था कि चरण सिंह से राजनीतिक गलतियां हो सकती हैं लेकिन चारित्रिक रूप से उन्होंने कभी कोई गलती नहीं की। इतिहास में उनका नाम प्रधानमंत्री से ज्यादा एक किसान नेता के रूप में जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह ने ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज बुलन्द करते हुये आह्वान किया था कि भ्रष्टाचार का अन्त ही देश को आगे ले जा सकता है।

(चिंतन-मनन)

अपने अंदर रहना ही ध्यान

जब हम दुखी होते हैं तो लगता है समय बहुत लम्बा है। जब प्रसन्न होते हैं तो समय का अनुभव नहीं होता है। तो प्रसन्नता या आनन्द क्या है? यह हमारी स्वयं की आत्मा है। यही आत्मतत्व शिव तत्व है या शिव का सिद्धांत है। प्रायः हम जब भगवान की बात करते हैं तो प्रत्येक व्यक्ति तुरन्त ऊपर की ओर देखता है। पर ऊपर कुछ नहीं है। प्रत्येक वस्तु हमारे अन्दर है। अन्दर की तरफ देखना या अपने अन्दर रहना ही ध्यान है। जब तुम अपने किसी नजदीकी व्यक्ति, अपने मित्र या किसी अन्य की तरफ देखते हो तो तुम्हें क्या लगता है? तुम्हारे अन्दर कुछ-कुछ होता है। तुम्हें ऐसा अनुभव होता है कि कोई नई ऊर्जा तुम्हारे अन्दर से होकर प्रवाहित हो रही है। उन महान क्षणों को पकड़ो। यह वही महान क्षण हैं, जो समयशून्य क्षण होते हैं। ईश्वर ने तुमको दुनिया में सभी छोटे-मोटे सुख व आनन्द दिया है, लेकिन चरम आनन्द अपने पास रखा है। उस चरम आनन्द को प्राप्त करने के लिए तुम्हें उस ईश्वर और केवल ईश्वर के पास ही जाना होगा। अपने प्रयासों में निष्ठा रखो। जब तुम इस चरम आनन्द को प्राप्त करते हो तो बाकी प्रत्येक वस्तुएं आनन्दमय हो जाती हैं। ईश्वर को अच्छा समय दो, इससे तुम पुरस्कृत होगे। यदि तुम्हारी प्रार्थना स्वीकार नहीं होती तो इसका मतलब है कि तुमने ईश्वर को अच्छा समय नहीं दिया है। सत्संग और ध्यान को अपनी सबसे ऊंची प्राथमिकता दो। भगवान को सबसे महत्वपूर्ण समय दो। इसका तुम्हें अवश्य ही अच्छा पुरस्कार मिलेगा। जब तुम भगवान से कोई वरदान प्राप्त करने की शीघ्रता में नहीं हो तब तुम्हें यह अनुभव होगा कि भगवान तुम्हारा है। सजगता या अभ्यास द्वारा तुम इसी बिन्दु पर पहुंच सकते हो। ईश्वर या दैव तुम्हारा है। जब तुम यह जान जाते हो कि तुम पूरे ईश्वरीय सत्ता के ही एक अंश हो, तो तुम उससे कोई मांग करना बन्द कर देते हो। तब तुम जानते हो कि तुम्हारे लिए सब कुछ किया जा रहा है। तुम्हारी देखभाल की जा रही है। मन में शीघ्रता या उतावलापन करना धैर्य की कमी होती है। आलस्य का मतलब आपके क्रिया-कलापों में सुस्ती होती है। इसका सही सूत्र मन में धैर्य और अपने क्रियाकलापों में तेजी होती है।

विचार मंथन

एक देश एक चुनाव का संवैधानिक प्रावधान, आसान नहीं एक साथ चुनाव

भारत के संवैधानिक, लोकतांत्रिक ढांचे में लोकसभा और विधानसभा चुनावों का समय निर्धारित करना आसान नहीं है। 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ था। 1952 में पहली बार लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ हुए थे। चूंकि 1952 में ही लोकसभा और विधानसभा का जन्म हुआ अतः चुनावी भी एक साथ हो गए थे। पिछले 75 वर्षों में राज्यों में और केंद्र में कई बार ऐसे अवसर आए जिसके कारण मध्यावधि चुनाव कराने पड़े। इस कारण अलग-अलग समय पर लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव होने लगे। हाल ही में प्रस्तावित विधेयक में राज्यों और केंद्र के चुनावों को एक साथ कराने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। जो देश की राजनीति में एक बड़ा बदलाव ला सकता है। इसके कई पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श की आवश्यकता है। यह न केवल चुनाव प्रक्रिया बल्कि विभिन्न राज्यों के विधानसभाओं के कार्यकाल को और विधायकों के कार्यकाल को भी प्रभावित करेगा। विधेयक के अनुसार, लोकसभा चुनाव के बाद राष्ट्रपति द्वारा अधिसूचना जारी की जाएगी। जिसे नियत तारीख माना जाएगा। यह तारीख अगले चुनावों के लिए आधार बनेगी। इसका प्रभाव यह होगा, कि जिन राज्यों में चुनाव नियत तारीख के करीब होंगे, उनके विधानसभा के कार्यकाल में कटौती करनी पड़ेगी। जैसे कि पंजाब, मणिपुर, गुजरात, और हिमाचल प्रदेश की विधानसभाओं का कार्यकाल 2027 तक सीमित हो सकता है। जिसके कारण उक्त राज्यों के संवैधानिक अधिकारों और संघीय ढांचे को चुनौती देने जैसा हो सकता है।

इस संशोधन से राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना जैसे राज्यों के लिए भी असमंजस की स्थिति पैदा होगी। जहां चुनाव लोकसभा चुनाव के ठीक पहले होते हैं। यदि इन राज्यों के कार्यकाल को छोटा या बड़ा किया जाता है, तो यह राजनीतिक अस्थिरता का कारण बन सकता है। इसके अलावा, राज्यों की विकास योजनाओं और राजनीतिक रूप से इसका विपरीत असर हो सकता है। एक साथ चुनाव से खर्च कम होगा यह तर्क दिया जा रहा है। मतदान की प्रक्रिया अधिक सुगम होगी। नई व्यवस्था से चुनावी राजनीति का केंद्रीकरण होगा। केंद्र एवं राज्य सरकारें विकास कार्यों पर अधिक ध्यान दे सकेंगी। एक साथ चुनाव कराने की यह दलील दी जा रही है। लेकिन, यह ध्यान रखना आवश्यक है, कि भारत में संघीय गणराज्य है। विभिन्न राज्यों की संवैधानिक स्वायत्तता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राज्यों में राजनीतिक कारणों से यदि राज्य सरकारें अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाते हैं। ऐसी स्थिति में 6 माह के अंदर जो चुनाव कराए जाएंगे वह अल्पकालिक होंगे। उसके कारण भी जो वर्तमान की स्थिति है वह भविष्य में भी बनी रहेगी। एक साथ चुनाव कराने का जो दावा किया जा रहा है, उस समय यह निरर्थक साबित होगा। ऐसी स्थिति में राज्य इस मुद्दे पर सहमत होंगे या नहीं यह भी बड़ा सवाल है। संविधान में संशोधन करना है तो इसमें राज्यों की भी सहमति आवश्यक होगी।

संविधान विशेषज्ञ पीडीटी आचार्य और अन्य विशेषज्ञों ने सही कहा है, कि यह विधेयक राज्यों के अधिकारों और संघीय ढांचे पर विपरीत प्रभाव डाल सकता है। इस स्थिति में, विधेयक को संसद में पास करने से पहले सभी राज्यों, राजनीतिक दलों और संवैधानिक रूप से जो हितधारक हैं, उनकी सहमति जरूरी होगी, तभी संसद में यह संशोधन किया जा सकता है। यह जरूरी है, लोकतंत्र की जड़ें अधिक मजबूत हों। कोई भी बदलाव संविधान और संघीय ढांचे की भावना को कमजोर करने वाला ना हो। चुनाव सुधार आवश्यक हैं, चुनाव सुधार का क्रियान्वयन संवैधानिक संतुलन, राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक रूप से जिसे केंद्र एवं राज्य स्वीकार करें। उसके परिणाम जनता के हित में हों। राजनीतिक फायदे के लिए इस तरह के संविधान संशोधन आगे चलकर देश की संघीय व्यवस्था को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर सकते हैं। नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन भी कर सकते हैं। इस तरह के बदलाव को बड़े सोच-समझकर दूर दृष्टि के साथ व्यापक चर्चा के बाद ही किया जाना चाहिए। लोकसभा में बिल का मसौदा पेश कर दिया गया है। इसे जेपीसी के पास भेजने का निर्णय हुआ है। जेपीसी में इस पर विचार विमर्श करने के बाद इसे राज्यों के पास भेजा जाएगा।

सभी राज्यों की सहमति मिलने के बाद ही इसमें संशोधन हो सकता है। भविष्य में क्या होगा, कहना मुश्किल है। लेकिन जिस तरह से बिल संसद में पेश किया गया है, उसको लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में जिस तरह की तलखी देखने को मिली है। उसको देखते हुए यह कहा जा सकता है कि इसके कोई अच्छे सार्थक परिणाम मिलेंगे, यह एक दिवा-स्वप्न की तरह ही होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जीएसटी काउंसिल की बैठक में पॉपकॉर्न पर लगेंगे 3 तरह के टैक्स

- पॉपकार्न पर फ्लेवर के अनुसार लगाया जाएगा टैक्स

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व में जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक जैसलमेर में आयोजित हुई, जहां पॉपकॉर्न पर नए टैक्स रेट्स के फैसले लिए गए। इसमें काउंसिल ने पॉपकॉर्न को तीन विभिन्न जीएसटी स्लैब में शामिल करने की योजना बनाई है, जो उसके फ्लेवर के अनुसार होंगे। टैक्स की विवरण इस प्रकार हैं- 1. साधारण नमक और मसालों से तैयार किया गया पॉपकॉर्न (पैकेज्ड और लेबल्ड न हो) पर 5 फीसदी जीएसटी लागू होगा। 2. पैकेज्ड और लेबल्ड साधारण नमक और मसालों वाले पॉपकॉर्न पर 12 फीसदी टैक्स लगेगा। 3. चीनी या सुगर फ्लेवर वाले पॉपकॉर्न पर 18 फीसदी जीएसटी लागू होगा। पॉपकॉर्न का व्यापार न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में भी बड़ा है। बीते साल में भारत में पॉपकॉर्न का व्यापार लगातार बढ़ रहा है और एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में इसका मार्केट 8 अरब डॉलर से अधिक का हो गया है। जीएसटी काउंसिल की बैठक में अन्य फैसले भी लिए गए, जिसमें पुरानी कारों पर 18 फीसदी जीएसटी, फोर्टिफाइड चावल पर 5 फीसदी जीएसटी और जीन थेरेपी के लिए पूरी छूट शामिल हैं। हेल्थ इंश योरेंस और लाइफ इंश योरेंस पर जीएसटी की दर कम करने के प्रस्ताव टल गए हैं, जबकि जोमेटो और स्विगी पर ऑनलाइन फूड ऑर्डर करने पर भी कोई राहत नहीं मिली। कुल मिलाकर जीएसटी काउंसिल की बैठक ने व्यापारिक मामलों को ध्यान में रखते हुए पॉपकॉर्न पर टैक्स में बड़े बदलाव किए हैं, जो आम जनता को सीधे असर पहुंचा सकते हैं।

केंद्र सरकार और एडीबी ने नीति-आधारित ऋण पर हस्ताक्षर किए

भारत के लॉजिस्टिक्स सेक्टर में एक महत्वपूर्ण उन्नति की उम्मीद

नई दिल्ली । भारत सरकार और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मल्टीमॉडल और एकीकृत लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम कार्यक्रम (स्माइल) के तहत ऐतिहासिक नीति-आधारित ऋण पर हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम के माध्यम से भारत के लॉजिस्टिक्स सेक्टर में एक महत्वपूर्ण उन्नति की उम्मीद है। सरकारी स्तर पर वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग और एशियन डेवेलपमेंट बैंक मिलकर भारत को ईफी सिएंट, रेसीलेंट और सस्टेने बिल लॉजिस्टिक्स सिस्टम में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। मल्टीमॉडल और एकीकृत लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम कार्यक्रम एक अहम नीति-आधारित पहल है जो लॉजिस्टिक्स सुधारों के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाता है। इसके अंतर्गत, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्बाध एकीकरण के लिए राष्ट्रीय, राज्य और शहर स्तर पर क्षमताएँ विकसित की जाएगी, वेयरहाउसिंग का मानकीकरण होगा, व्यापार लॉजिस्टिक्स में सुधार किया जाएगा, और प्रदूषण को कम करते हुए दक्षता बढ़ाई जाएगी। इन सुधारों से यह आशा है कि लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी, परिचालन दक्षता में सुधार होगा, और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इसके माध्यम से भारत को विश्वस्तरीय लॉजिस्टिक्स सेवाएं प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण धारा मिलेगी।

गरीबों की मदद के लिए चावल पर जीएसटी घटाया: निर्मला सीतारमण

- चावल पर कर दर को 18 से 5 प्रतिशत कम किया जाएगा

जैसलमेर ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक के बाद बड़े फैसले किए। उन्होंने घोषित किया कि चावल पर कर दर को 18 से 5 प्रतिशत कम किया जाएगा। इसके साथ ही, जीवन रक्षक जीन थेरेपी और एसएएम मिसाइलों के लिए उपयोग होने वाले पुर्जों पर जीएसटी छूट की अवधि भी बढ़ा दी गई है। सभी एसएएम मिसाइलों के निर्माण में उपयुक्त पुर्जों को जीएसटी से छूट दी जाएगी। उन्होंने छोटे व्यवसायों की मदद के लिए कई और कदम उठाए, जैसे 2,000 रुपये से कम के लेन-देन के लिए छूट देना। वित्त मंत्री ने महसूस किया कि ई-कॉमर्स कंपनियों और खाद्य पदार्थों की डिलीवरी सेवाओं पर जीएसटी को लेकर और चर्चा होनी चाहिए। इसके साथ ही, बैठक में और विस्तृत चर्चा की जाएगी। वित्त मंत्री ने उधारकर्ताओं के लिए भी शुल्कों में कई बदलाव की घोषणा की। उन्होंने संशोधन के लिए एक अवधारणा नोट को मंजूरी दी और वस्तुओं की परिभाषा को स्पष्ट करने के उद्देश्य के साथ खुदरा बि के लिए पहले से पैक और लेबल वाली वस्तुओं की परिभाषा में

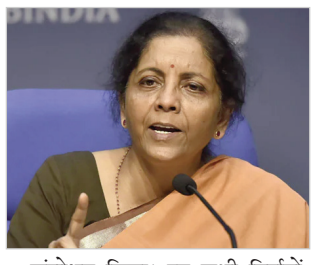

संशोधन किया। इन सभी निर्णयों से सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार करने का निशाना साबित किया है।

इस साल आईपीओ बाजार में 90 कंपनियों ने रिकॉर्ड 1.6 लाख करोड़ जुटाए

- निवेशकों ने दीर्घकालिक निवेश के लिए भी कंपनियों में विश्वास जताया

मुंबई । आर्थिक वृद्धि की रफ्तार और अनुकूल बाजार परिस्थितियों के साथ, 2024 में आईपीओ के बाजार में भारी चल रही है। इस साल कंपनियों ने आईपीओ के माध्यम से भारी राशि जुटाई है। इस वृद्धि में निवेशकों का भरोसा और नियामकीय ढांचे में सुधार का महत्वपूर्ण योगदान है। साल के दौरान कंपनियों ने आईपीओ के जरिये रिकॉर्ड 1.6 लाख करोड़ रुपये की राशि जुटाई है। एक्सचेंज के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 2024 में 90 आईपीओ आए जिनके जरिये सामूहिक रूप से 1.6 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए। माना जा रहा है कि अगला साल भी आईपीओ के लिए काफी अच्छा रहेगा। आईपीओ के लिए असाधारण रहा यह साल न केवल निर्गम लाने वाली कंपनियों के भरोसे को दर्शाता है, बल्कि इससे निवेशकों के विश्वास का भी पता चलता है। आईपीओ ने न केवल निगमों के भरोसे को बल्कि निवेशकों के विश्वास को भी प्रमाणित किया है। निवेशकों ने सिर्फ लाभ कमाने के लिए नहीं बल्कि दीर्घकालिक निवेश के लिए भी कंपनियों में विश्वास जताया है। हुंदै मोटर इंडिया का ऐतिहासिक 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ इस साल का सबसे बड़ा आईपीओ हुआ है। छोटी, मझोली और बड़ी कंपनियों ने साझेदारी जुटाते हुए धन जुटाया है। निवेशकों की बढ़ती भागीदारी के साथ आईपीओ के बाजार में आने वाले साल में भी तेजी की संभावना है। साल के तैयारी में हैं कंपनियां, जो आईपीओ के माध्यम से और अधिक धन जुटाने की सोच रही हैं। जब बाजार विश्लेषकों का यह मानना है कि 2025 में आईपीओ से जुटने वाली राशि अब कि आंकड़ों को पार कर सकती है, तो निवेशकों की उम्मीदें और भी ऊंचाई पर चढ़ गई हैं। आगामी साल में भी आईपीओ बाजार ऐसे ही गतिविधियों में आगे बढ़ते रहने की संभावना है।

वैश्विक रुझान, एफआईआई की गतिविधियां तय करेंगी शेयर बाजार की दिशा : विश्लेषक

- रुपये-डॉलर का रुख और कच्चे तेल के दाम भी बाजार को प्रभा वित करेंगे

मुंबई ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझान और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने कहा है कि इस कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह में घरेलू मोर्चे पर कोई प्रमुख घटनाक्रम नहीं है। ऐसे में बाजार भागीदारों की नजरें वैश्विक संकेतकों पर रहेगी। बाजार के एक वरिष्ठ शोध विश्लेषक ने कहा कि आगे की ओर देखें तो घरेलू मोर्चे पर किसी बड़े संकेतक का अभाव है। हालांकि, कुछ वैश्विक संकेतक बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसमें अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल, डॉलर इंडेक्स का प्रदर्शन, बेरोजगारी दावे और नए घरों की बिक्री के आंकड़े शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बाजार में उतार-चढ़ाव का सिलसिला चल रहा है। साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार बिकवाल बने हुए हैं। ऐसे में निवेशकों द्वारा सतर्क रुख अपनाए जाने की उम्मीद है। हालिया कमजोरी के रुख के बावजूद बाजार का दृष्टिकोण सतर्क रूप से आशावादी बना हुआ है। हालांकि, एफआईआई की लगातार बिकवाली ने बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। बाजार के जानकारों ने कहा कि एफआईआई का रुख अचानक से लिवाल से बिकवाल का हो गया, जिससे बाजार प्रभावित हुआ है। विश्लेषकों ने कहा कि रुपये-डॉलर का रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का रहेगा।

बाजार भागीदारों की निगाह एफआईआई के प्रवाह और वैश्विक बाजारों के प्रदर्शन पर रहेगी। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारतीय बाजार में कमजोरी बने रहने की संभावना है। उतार-चढ़ाव के बीच बाजार भागीदारों की निगाह वैश्विक संकेतकों पर रहेगी। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन आ रहा है और वैश्विक बाजारों में दो-तीन दिन अवकाश रहेगा। ऐसे में स्थानीय बाजार में भी गतिविधियां सुस्त रहेंगी।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों का मार्केट कैप 4.95 लाख करोड़ घटा

- टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ

मुंबई ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में 4,95,061 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई है। शेयर बाजार में मंदड़ियों के रुख के बीच टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। बीते सप्ताह टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 1,10,550.66 करोड़ रुपये घटकर 15,08,036.97 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज के मूल्यांकन में 91,140.53 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 16,32,004.17 करोड़ रुपये, पर आ गया।

एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 76,448.71 करोड़ रुपये घटकर 13,54,709.35 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल की 59,055.42 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 8,98,786.98 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 43,909.13 करोड़ रुपये घटकर 7,25,125.38 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 41,857.33 रुपये घटकर 9,07,449.04 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का मूल्यांकन 32,300.2 करोड़ रुपये घटकर 7,98,086.90 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम

(एलआईसी) का मूल्यांकन 20,050.25 करोड़ रुपये घटकर 5,69,819.04 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 12,805.27 करोड़ रुपये घटकर 5,48,617.81 करोड़ रुपये और आईटीसी का मूल्यांकन 6,943.5 करोड़ रुपये घटकर 5,81,252.32 करोड़ रुपये रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एसबीआई, आईटीसी, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

रॉयल एनफील्ड की 3 नई बाइक्स जल्द होगी लांच

नई दिल्ली ।

रॉयल एनफील्ड कंपनी भारतीय बाजार में तीन नई बाइक्स को लॉन्च करने की तैयारी में है। अगर आप भी रॉयल एनफील्ड की नई बाइक खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो आपके लिए यह एक बेहतरीन मौका हो सकता है। पहली बाइक है रॉयल एनफील्ड क्लासिक 650, जो क्लासिक 350 की सफलता को देखते हुए लॉन्च की जाएगी। इस बाइक में 648सीसी का पैरेलल ट्विन इंजन मिलेगा, जो 47.4 बीएचपी की पावर और 52.4 एनएम का टॉर्क जेनरेट करेगा। यह बाइक शानदार परफॉर्मेंस के साथ क्लासिक डिज़ाइन में होगी और 2025 की पहली तिमाही में लॉन्च होने की उम्मीद है। दूसरी बाइक है रॉयल एनफील्ड बुलेट 650, जो रॉयल एनफील्ड की आइकॉनिक बुलेट सीरीज़ का बड़ा वर्जन होगी। इसमें 648सीसी ट्विन-सिलेंडर इंजन होगा, जो बेहतरीन राइडिंग अनुभव देगा। इसकी टेस्टिंग भारतीय सड़कों पर हो चुकी है, और इसकी लॉन्चिंग को लेकर उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं। तीसरी बाइक है रॉयल एनफील्ड हिमालयन 650, जो एडवेंचर बाइक प्रेमियों के लिए एक शानदार विकल्प साबित हो सकती है।

घरेलू प्रवासियों की संख्या में कमी आने का अनुमानः ईएसी-पीएम

- 2023 में घरेलू प्रवासियों की संख्या 40.20 करोड़ रही

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति (ईएसी) की एक रिपोर्ट ने देश में घरेलू प्रवासियों की संख्या में 2011 से 2023 तक 12 प्रतिशत की कमी का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में घरेलू प्रवासियों की संख्या 40.20 करोड़ रही, जो 2011 की जनगणना के अनुसार 11.78 प्रतिशत कम है। ईएसी-पीएम के खास पत्र में इस विषय पर ध्यान दिया गया है। एक पूर्व चेयरमैन ने लिखा है कि यह घटती प्रवासन दर वृद्धि की ओर एक सकारात्मक कदम है। यह बेहतर आर्थिक अवसरों के कारण हो रहा है और इससे देश को आर्थिक वृद्धि में सामर्थ्य मिलेगा। जनगणना 2011 के अनुसार केवल पांच राज्यों में ही कुल प्रवासियों का 48 प्रतिशत हिस्सा है, जिसमें राज्य के भीतरी प्रवासी भी शामिल हैं। प्रवासी संख्या में कमी का अनुमान देश में ला-गई अच्छी सेवाओं और शिक्षा के साथ-साथ उच्च आवृत्ति डेटा का उपयोग करने का परिणाम है। इस स्थिति में, देश को और भी अधिक उन्नति के लिए घरेलू प्रवासियों की सेवाएं सुधारने में महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता हो सकती है। इससे वे अपने परिवारों को सुधारित जीवन प्रदान करके देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दें।

भारत में एसआईपी में अच्छी वृद्धि, बढ़ा विश्वास

जनवरी से नवंबर तक एसआईपी में शुद्ध प्रवाह 9.14 लाख करोड़ रुपए रहा

मुंबई ।

भारत में एसआईपी में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में शुद्ध प्रवाह 233 फीसदी (सालाना आधार) बढ़ा है। इसका मुख्य कारण भारतीय अर्थव्यवस्था की लचीलापन में वृद्धि और भू-राजनीतिक परिस्थितियों में स्थिरता है। आईसीआरए एनालिटिक्स की रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी से नवंबर तक कुल एसआईपी में शुद्ध प्रवाह 9.14 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 233 प्रतिशत की वृद्धि है। नवंबर में रजिस्टर्ड नए एसआईपी की संख्या 49.47 लाख हो गई है, जो 2023 में 30.80 लाख थी। एसआईपी एयूएम ने नवंबर में 13.54 लाख करोड़ रुपये के अंडर मैनेजमेंट रखा, जो पिछले साल के 9.31 लाख करोड़ के मुकाबले है। भारतीय म्यूचुअल फंड (एमएफ) इंडस्ट्री ने भी शुद्ध प्रवाह में 135 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी है। विश्वव्यापी अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति के साथ, आने वाले वर्षों में उद्योग में गुना-गुना वृद्धि की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि घरेलू म्यूचुअल फंड उद्योग में भी उम्मीदें हैं कि निवेशकों में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। शुद्ध एयूएम में भी बड़ी बढ़ोतरी हुई है, जिसके साथ नवंबर में एयूएम पहुंचा 68.08 लाख करोड़ रुपये पर। इक्विटी कैटेगरी के लार्ज कैप फंड में सबसे अधिक वृद्धि हुई है, जो नवंबर में

लगभग 731 प्रतिशत बढ़कर 2547.92 करोड़ रुपये हुआ है। भावनात्मक दृष्टि से देखा जाए तो, भारतीय अर्थव्यवस्था का उछाल निवेशकों के बीच नया जोश और विश्वास पैदा कर रहा है। आने वाले दिनों में उद्योग में और भी बढ़ोतरी की संभावना है जिससे निवेशकों को अच्छे रिटर्न की संभावना है।

देश के नौ प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री में 21 फीसदी गिरावट की संभावना

- कुल बिक्री तिमाही में 1,08,261 इकाई रह जाने की संभावना

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट की एक आंकड़ा विश्लेषक कंपनी ने जारी की एक रिपोर्ट में कहा है कि देश के प्रमुख नौ आवास बाजारों में अक्टूबर से दिसंबर तिमाही के दौरान घरों की बिक्री में 21 फीसदी की गिरावट की संभावना है। इसका कारण उच्च आधार प्रभाव है, जिसके कारण लगभग 1.08 लाख इकाई रह जाएगी। कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, नवी मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, और ठाणे के लिए बिक्री आंकड़े जारी किए हैं। दिल्ली-एनसीआर में ही बिक्री में वृद्धि की संभावना है जबकि अन्य शहरों में गिरावट की संभावना है। जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार कुल बिक्री तिमाही में 1,08,261 इकाई रह जाने की संभावना है, जो पिछले साल से कम है। हालांकि, सितंबर तिमाही में बिक्री में पांच प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है। रिएल स्टेट के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि उच्च आधार प्रभाव के कारण बिक्री में गिरावट आई है, लेकिन त्योहारी मांग के कारण इसमें सुधार

हो सकता है। वे ने दावा किया कि आपूर्ति-खपत अनुपात मजबूत और स्वस्थ है, जिससे रियल एस्टेट क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, कोलकाता, और पुणे में भी बिक्री में गिरावट की संभावना है। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में बाजार इस रुझान को बदलने के लिए तैयार है और बिक्री में वृद्धि की संभावना है। यह आंकड़े रियल एस्टेट बाजार की मानें और इस क्षेत्र में संवेदनशीलता का पूरा काम करते हैं। देश विस्तार से यह गिरावट के संकेत के रूप में देखी जा सकती है, जो क्षेत्र के निर्माण और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण है।

किआ की नई एसयूवी सिरोस बाजार में पेश

नई दिल्ली ।

किआ मोटर्स ने अपनी नई एसयूवी सिरोस को बाजार में पेश किया है। इस मॉडल का लॉन्च ऑटो एक्सपो 2025 में किया जाएगा। किआ इस एसयूवी के जरिए अपनी दो अन्य एसयूवी मॉडल्स, सेल्टॉस और सोनेट, के बीच के ग्राहकों को आकर्षित करने की योजना बना रही है। यह एक बी सेगमेंट की एसयूवी है, जिसकी बुकिंग 3 जनवरी 2025 से शुरू होगी, और इसकी डिलीवरी फरवरी 2025 से शुरू हो जाएगी। सिरोस को एचटीके, एचटीके (ओ),एचटीके प्लस, एचटीके एचटीएक्स प्लस औरएचटीएक्स प्लस(ओ) के छह वैरिएंट्स में उपलब्ध कराया जाएगा, और यह 8 आकर्षक रंगों में उपलब्ध होगी। डिजाइन के मामले में, किआ ने एसयूवी सिरोस को खासतौर पर स्पेशियस बनाने की कोशिश की है। इस एसयूवी की फ्रंट डिजाइन को बेहद बोल्ड और आकर्षक बनाया गया है, जिसमें वर्टिकल आइस क्यूब एलईडी हेडलाइट्स और बड़ा एलईडी डीआरएल शामिल हैं। इसके फ्रंट में शानदार लुक के साथ हाई सेट बोनट, बंपर में सिल्वर एलिमेंट्स और एडवांस ड्राइविंग असिस्टेंस सिस्टम के लिए रडार मॉड्यूल दिए गए हैं। इसकी साइड प्रोफाइल में लंबी रूफ टेल, ब्लैक बॉडी क्लैडिंग और 17 इंच के अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। इसके अलावा, डबल पैन पैनोरमिक सनरूफ और केबिन में 30 इंच का पैनोरमिक स्क्रीन सेटअप भी उपलब्ध है, जो वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है। सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो किआ ने सिरोज में 6 स्टैंडर्ड एयरबैग्स और 360 डिग्री कैमरा सुविधा दी है।

इसके अलावा, इसमें ऑटो होल्ड के साथ इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक की भी सुविधा है। इंजन के विकल्प में, किआ सिरोस में 1.5 लीटर डीजल इंजन दिया गया है, जो 116 बीएचपी की पावर और 250 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। पेट्रोल विकल्प में 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 120 बीएचपी की पावर और 172 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। यह एसयूवी 6-स्पीड मैनुअल, 7-स्पीड डीसीटी और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन गियरबॉक्स के साथ उपलब्ध होगी।

एलआईसी के पास लावारिस पड़े 880 करोड़ रुपए!

- अब तक लगभग 3,72,282 बीमा पॉलिसियां ली गईं, लेकिन मैच्योरिटी पर पैसे निकलवाए नहीं

नई दिल्ली ।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में बिना दावा किए पड़ी परिपक्वता राशि जो मिली थी, वह 880.93 करोड़ रुपये थी। इस समय तक लगभग 3,72,282 पॉलिसीधारकों ने बीमा पॉलिसियां ली थीं, लेकिन मैच्योरिटी पर पैसे निकलवाए नहीं। अगर किसी पॉलिसीधारक ने तीन साल से अधिक समय तक कोई लाभ नहीं प्राप्त किया तो वो राशि बिना दावा की गई मानी जाती है और अगर पैसा 10 साल से अधिक समय तक बिना दावा के रह जाता है, तो वह पूरी राशि सरकार के सीनियर सिटिजन वेलफेयर फंड में स्थानांतरित कर दी जाती है। लेकिन अनक्लेम्ड राशि होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। एलआईसी अपने पॉलिसीधारकों तक पहुँचने और अनक्लेम्ड राशियों का निपटारा करने के लिए जागरूकता अभियानों और डिजिटल माध्यमों का सहारा ले रही है। अगर आपके भी किसी एलआईसी पॉलिसी पर अनक्लेम्ड पैसा है, तो आपको एलआईसी कार्यालय जाकर आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। सभी एलआईसी पॉलिसीधारकों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी पॉलिसी की स्थिति को समय-समय पर जांचते रहें

ताकि उनकी मेहनत की कमाई सुरक्षित रहे और उन्हें अपने भविष्य के लिए भी सुरक्षा मिले। अब एलआईसी ने जनता को ऑनलाइन भी सुविधा दी है, जिससे कोई भी पॉलिसीधारक घर बैठे अपनी पॉलिसी की स्थिति जान सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत ने बांग्लादेश को हराकर जीता अंडर19 एशिया कप का खिताब

भारतीय महिला अंडर-19 टीम ने बंगलादेश को 41 रनों से हराया

क्रालालंपुर (एजेंसी)। भारतीय महिला अंडर-19 टीम ने हाल ही में भारतीय लड़कों को बांग्लादेश के खिलाफ फाइनल में मिली हार का हिसाब बराबर कर लिया है। महिला अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में बांग्लादेश की टीम ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। हालांकि तृषा के अर्धशतक की बदौलत भारत ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 117 रन बनाए। इसके जवाब में बांग्लादेश की बल्लेबाजी भारतीय गेंदबाजों के सामने पूरी तरह से लड़खड़ा गई और पूरी टीम महज 76 रन पर ढेर हो गई। इस तरह भारत की बेटियों बांग्लादेश के खिलाफ 41 रन से शानदार जीत दर्ज करते हुए खिताब पर पहली बार कब्जा जमाया।

तृषा ने खेली दमदार अर्धशतकीय पारी

महिला अंडर-19 एशिया कप फाइनल में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। महज 84 रन के स्कोर पर आधी टीम पवेलियन लौट गई। इसके बाद भी एक छोर से लगातार विकेट गिरते रहे, लेकिन तृषा ने एक छोर संभाले रखा और 47 गेंद पर 5 चौके और 2 छक्के की मदद से 52 रन पारी खेलकर टीम को मुश्किल से उबारा। भारत ने निर्धारित 20 ओवर में 117 रन बनाते हुए बांग्लादेश के सामने 118 रन का मामूली लक्ष्य रखा। वहीं, बांग्ला देश के लिए फरजाना ने चार तो निशिता ने दो विकेट लिए।

बांग्ला देश की टीम में लगी तू चल मैं आई की होड़

भारत के 118 रन के मामूली लक्ष्यच का पीछा करने उतरी बांग्ला देश टीम की शुरुआत भी बेहद खराब रही। बांग्ला।देश को पहला झटका महज 8 रन के स्कोकर पर लगा। इसके बाद बांग्ला देश की टीम में तू चल मैं आई की होड़ लग गई और पूरी टीम 18.3 ओवर में महज 76 के स्कोर पर ढेर हो गई। बांग्लीदेश के लिए सबसे ज्या दा फरदौस ने 22 रन की पारी खेली। वहीं, आयुषी शुक्ला ने तीन विकेट, पारुनिका और सोनम ने 2-2 विकेट लेकर भारत की 41 रन की जीत में अहम योगदान दिया।

बेटियों ने चुकता किया हिसाब

बता दें कि हाल ही में पुरुष अंडर-19 एशिया कप का फाइनल बांग्ला देश और भारत के बीच खेला गया था। उस मुकाबले को बांग्लादेश ने जीतकर खिताब पर कब्जा किया था। अब महिला अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में भारत की बेटियों ने बांग्लाकदेश को धूल चटाते हुए उस हार का हिसाब चुकता कर लिया है।

रूट चैंपियंस ट्रॉफी और भारत दौरे के लिए इंग्लैंड की एकदिवसीय टीम में शामिल

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के साथ ही भारत दौरे के लिए अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को टीम में शामिल किया है। रुट की एक साल से अधिक समय के बाद इंग्लैंड की एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है। रूट ने अंतिम बार एकदिवसीय प्रारूप में पिछली बार 2023 में भारत में हुए 50 ओवर के विश्व कप में खेला था। वहीं ऑलराउंडर और टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को चोटिल होने के कारण टीम में जगह नहीं मिली है। स्टोक्स को इस महीने की शुरुआत में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई थी जिससे बाद से ही वह रीहैब के दौर से गुजर रहे हैं। इंग्लैंड टीम की कप्तानी अनुभवी बल्लेबाज जोस बटलर करेंगे। वहीं लेग स्पिनर रेहान अहमद को टी20 टीम में शामिल किया गया है। भारत और इंग्लैड के बीच टी20 सीरीज जनवरी जबकि एकदिवसीय सीरीज फरवरी में खेली जाएगी।

इंग्लैंड की एकदिवसीय टीम

जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

इंग्लैंड की टी20 टीम

जोस बटलर (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

रोहित के बाद आकाशदीप को भी लगी चोट, तेज गेंदबाज ने हेल्थ पर दिया अपडेट

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के बाएं घुटने पर चोट के बाद तेज गेंदबाज आकाशदीप के हाथ पर अभ्यास सत्र के दौरान चोट लग गई। आकाशदीप ने हालांकि बाद में कहा कि चोट गंभीर नहीं है तथा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 26 दिसंबर से शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम फिटनेस की किसी समस्या से नहीं जूझ रही है।

इन दोनों खिलाड़ियों पर मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर अभ्यास सत्र के दौरान थ्रो डाउन का सामना करते हुए चोट लगी। यह दोनों खिलाड़ी कुछ असहज नजर आ रहे थे। रोहित ने अपने बाएं घुटने में चोट लगने के बावजूद बल्लेबाजी का अभ्यास जारी रखा लेकिन बाद में फिजियोथेरेपिस्ट ने उनका उपचार किया। वह कुछ देर तक कुर्सी पर पैर पसारकर बैठे रहे और फिर चुपचाप चले गए। रोहित की स्थिति को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है लेकिन आकाश ने कहा कि यह अभ्यास के दौरान लगने वाली मामूली चोट है। उन्होंने कहा, 'जब आप क्रिकेट खेलते हैं तो इस तरह की मामूली चोट लगना आम बात होती है। मुझे लगता है कि अभ्यास के लिए तैयार किया गया यह विकेट सफेद गेंद की क्रिकेट के लिए है और यही वजह है कि उसमें कुछ गेंद नीची रह रही थी। अभ्यास के दौरान इस तरह की चोट लगना आम होता है। चोट को लेकर कोई बड़ी चिंता नहीं है।' रोहित अपने बेटे के जन्म के कारण पहले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे लेकिन इसके बाद अगले दो मैच में वह रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे। वह अभी तक तीन पारियों में केवल 19 रन बना पाए हैं। शनिवार को सलामी बल्लेबाज केएल राहुल के हाथ में भी चोट लगी थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए खेली जा रही पांच मैच की श्रृंखला अभी 1-1 से बराबरी पर है।

रोहित अपनी रणनीति बदलें, छठे नंबर पर ऐसे करें बल्लेबाजी : रवि शास्त्री का सुझाव

मेलबर्न (एजेंसी)। कप्तान रोहित शर्मा जब बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में रन बनाने का तरीका समझने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तब भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का कहना है कि इस स्टाइलिश बल्लेबाज को स्पष्ट मानसिकता के साथ उतरना चाहिए और साथ ही अपनी रणनीति बदलकर गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामकता अपनानी चाहिए। रोहित अपने दूसरे बच्चे के जन्म के समय परिवार के साथ रहने के लिए ऑस्ट्रेलिया में पहला टेस्ट मैच नहीं खेल पाए थे।

उम्मीद थी कि वह सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे लेकिन पर्थ में भारत की जीत में केएल राहुल की 77 रन की शानदार पारी के बाद बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया गया और रोहित को छठे नंबर पर उतारा गया। हालांकि यह बदलाव रोहित के लिए फायदेमंद नहीं रहा क्योंकि वह पिछली तीन पारियों में 10, तीन और छह रन ही बना पाए हैं जबकि राहुल ने तीसरे टेस्ट में ब्रिसबेन में पहली पारी में 84 रन बनाकर मौके का फायदा उठाया।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) समीक्षा पर शास्त्री ने कहा, 'मैं रोहित शर्मा को अच्छा करते हुए देखना चाहूंगा। उनकी रणनीति में थोड़ा बदलाव होना चाहिए क्योंकि वह अब भी इस छठे नंबर पर बेहद खतरनाक हो सकते हैं।' क्रिकेटर से कमेंटेटर बने इस खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि उसे अपनी मानसिकता में बहुत स्पष्ट होना चाहिए कि वह मैदान पर जाकर विपक्षी टीम पर आक्रमण करे और किसी और चीज की चिंता नहीं करे।'

शास्त्री को लगता है कि रोहित को रक्षात्मक मानसिकता से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'आप उनसे बस यही चीज नहीं चाहते कि उनके मन में दो तरह के विचार रहें कि उन्हें बचाव करना है या आक्रमण करना है। मुझे लगता है कि उन्हें आक्रमण करना चाहिए। उन्हें इस नंबर पर विपक्षी टीम पर आक्रमण करना चाहिए।' उन्होंने कहा, ''क्योंकि अगर वह पहले 10-15 मिनट तक क्रीज पर टिके रहते हैं तो वह अपना स्वाभाविक खेल क्यों नहीं खेलते? और प्रतिद्वंद्वी टीम पर आक्रमण करें।' शास्त्री को लगता है कि रोहित के लिए फॉर्म में वापस आने और भारत के लिए मैच जीतने का यह सबसे अच्छा तरीका है। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि दुनिया में सबसे अच्छे छठे नंबर के वो बल्लेबाज हैं जो जवाबी हमला करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह फॉर्म में वापसी करने का ही नहीं बल्कि भारत के लिए मैच जीतने का भी सबसे अच्छा तरीका होगा। क्योंकि यह महत्वपूर्ण नंबर है।'

शास्त्री ने कहा, 'दुनिया में सर्वश्रेष्ठ छठे नंबर के बल्लेबाज जानते हैं कि जवाबी हमला कैसे करना है। वे हालात को अच्छी तरह से समझते हैं। पर अगर बहुत विकेट गिर गए हैं तो शायद थोड़ी देर के लिए आपको सावधान रहना होगा। लेकिन आक्रामकता में बहुत देर नहीं होनी चाहिए। जब आप इतने काबिल हैं और जब आप भारत के लिए बल्लेबाजी की शुरुआत करते हैं तो आपके पास ऑस्ट्रेलियाई हालात में खेलने के लिए सभी शॉट होंगे।' रोहित ने 2013 में छठे नंबर पर अपना टेस्ट पदार्पण किया था और शतक जड़ा था। शास्त्री ने पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में अब तक दो अर्धशतक जड़ने के बाद चौथे टेस्ट में सलामी बल्लेबाज के रूप में राहुल का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'मैं ब्रिसबेन टेस्ट में रोहित से पारी का आगाज करने के लिए कहता। लेकिन जिस तरह से राहुल ने बल्लेबाजी की, उसे देखना मजेदार था। वह जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है, मुझे लगता है कि उसने शानदार शुरुआत की है।' पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि राहुल इस समय फॉर्म में हैं और आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। शास्त्री ने कहा, 'जिस तरह से वह गेंद छोड़ रहे हैं, जिस तरह से गेंद को बल्ले पर आने दे रहे हैं, बेहतर कवर ड्राइव खेल रहे हैं, वह शानदार हैं। इसलिए मुझे लगता है कि जब इतने आत्मविश्वास से भरे हैं तो इसे ऐसे ही रहने देना चाहिए।'

गज़नफ़र के पंजे में फंसा जिम्बाब्वे, मैच के साथ सीरीज भी गंवाई

हरारे। ए एम गज़नफ़र (33 रन पर पांच विकेट) और राशिद खान (38 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी की मदद से अफगानिस्तान ने शनिवार को जिम्बाब्वे को एकतरफा मुकाबले में आठ विकेट से हरा कर तीन मैचों की एक दिवसीय श्रंखला पर 2-0 से कब्जा कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुये जिम्बाब्वे की पारी 30.1 ओवर में 127 रन पर ढेर हो गयी। मेजबान टीम की ओर से शॉन विलियम्स (60) ही अफगानी गेंदबाजों का कुछ हद तक सामना कर सके। उनके अलावा बेन करन (12) और रिचर्ड एन्गारावा (10) ही दहाई के अंक तक पहुंचने में सफल हो सके। जीत के लिये 128 रन के आसान लक्ष्य का पीछा करते हुये सेदिकुल्लाह अटल (52) और अब्दुल मलिक (29) की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 18.3 ओवर में 84 रन जोड़ दिये। दोनो के आउट होने के बाद रहमत शाह (17 नाबाद) और हशमतउल्लाह शहीदी (20 नाबाद) ने जीत दिला कर ही दम लिया।

पंजाब किंग्स को आईपीएल खिताब जिताने का प्रयास करेंगे श्रेयस अय्यर

मुम्बई। आईपीएल 2025 सत्र के लिए पंजाब किंग्स टीम के कप्तान बने श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह टीम को खिताब जिताने का पूरा प्रयास करेंगे। अय्यर को मेगा नीलामी में पंजाब ने 26.75 करोड़ में खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे क्रिकेटर हैं। श्रेयस की कप्तानी में ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने साल 2024 में आईपीएल खिताब जीता था। ऐसे में उनका प्रयास लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतकर रिकार्ड बनाना रहेगा। इस साल 4 घरेलू टूर्नामेंट जीतने से भी श्रेयस के हौंसले बुलंद हैं। कि उनका आगामी लक्ष्य आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्ग को खिताब दिलाना है। वह नए साल में पंजाब किंग्स को खिताब दिलाकर लगातार दो विभिन्न फ्रेंचाइजियों से खिताब जीतने वाले पहले कप्तान बनने की कोशिश करेंगे। अब तक खिताब नहीं जीत पायी पंजाब किंग्स ने आईपीएल मेगा नीलामी में इसी कारण उन्हें खरीदा है। श्रेयस अय्यर के लिए 2024 एक शानदार वर्ष रहा है, उनकी कप्तानी में टीमों ने 4 ट्रॉफियां जीतीं। उनके नेतृत्व में, मुंबई ने 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) जीती थी। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में फाइनल में उनकी टीम ने ने मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराया था। बहरहाल, अपनी हाल की उपलब्धियों को लेकर अय्यर आगामी आईपीएल सत्र को लेकर उत्साहित हैं। अय्यर ने एक वीडियो में कहा कि सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने के बाद यह एक अवास्तविक एहसास है। पर्दे के पीछे बहुत मेहनत की गई, और लड़कों ने अपने प्रदर्शन में जबरदस्त प्रदर्शन किया। अब, हम हैं इस हिस्से के साथ काम पूरा हो चुका है और अगली बड़ी चीज की ओर बढ़ रहा हूं, जो कि आईपीएल है। मैं पंजाब किंग्स का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं और पंजाब किंग्स परिवार में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

विराट ऑस्ट्रेलिया सीरीज का अंत 3 शतकों के साथ करेंगे : चेतन शर्मा

नोएडा (उत्तर प्रदेश) (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और पूर्व मुख्य चयनकर्ता चेतन शर्मा ने खराब फॉर्म के बावजूद स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली का समर्थन किया है, उन्होंने कहा कि कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही श्रृंखला को तीन के साथ समाप्त करेंगे। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज का चौथा टेस्ट 26 दिसंबर से मेलबर्न में होने वाला है। पर्थ में पहले टेस्ट में शतक बनाने वाले विराट को सीरीज में प्रभाव छोड़ने के लिए संघर्ष करना पड़ा है और वह सिर्फ 26 रन ही बना पाए हैं। अन्य चार पारियां. इस साल सभी प्रारूपों में उनका फॉर्म बेहद खराब रहा है।

चेतन शर्मा ने विराट के संघर्ष को अस्थायी दौर बताया। उन्होंने कहा कि वह एक ऐसा खिलाड़ी है जिसने हमारे लिए बहुत कुछ हासिल किया है, जिससे हमारी उम्मीदें बढ़ जाती हैं। मुझे विश्वास है कि वह अच्छा प्रदर्शन करेगा। आशा करते हैं कि वह अगले दो मैचों में दो और शतक बनाएगा। मैंने श्रृंखला से पहले भविष्यवाणी की थी कि वह ऑस्ट्रेलिया में तीन शतक लगाएगा। साल 2023 में विराट ने सभी प्रारूपों में 21.92 की औसत से 614 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल है। वह 9 टेस्ट मैचों में 25.06 की औसत से 376 रन बना चुके हैं जिसमें 17 पारियों में एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 100* है।

टेस्ट क्रिकेट में विराट के लिए 2020 चुनौतीपूर्ण रहा है। इस दशक में 37 मैचों और 64 पारियों में, उन्होंने 31.67 की औसत से 1,964 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक, नौ अर्द्धशतक और 186 का उच्चतम स्कोर है। मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में, विराट ने 12 मैचों और 21 पारियों में 36.15 के औसत से 687 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक, तीन अर्द्धशतक और 121 का शीर्ष स्कोर है।

प्रधानमंत्री ने अश्विन को शानदार करियर के लिए बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले क्रिकेटर आर अश्विन को उनके शानदार करियर के लिए बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि क्रिकेट के मैदान में उनकी जर्सी नंबर 99 की कमी खलेगी। अपने पत्र में प्रधानमंत्री ने अश्विन के संन्यास को एक आश्चर्यजनक मोड़ करार देते हुए इसे प्रत्याशित ऑफ-ब्रेक के बजाय एक अप्रत्याशित कैरम बॉल के बराबर बताया। प्रधानमंत्री ने कहा 'अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से आपके संन्यास की घोषणा ने भारत और दुनिया भर के प्रशंसकों को हैरान कर दिया है। ऐसे समय में जब हर कोई कई और ऑफ-ब्रेक की उम्मीद कर रहा था, आपने एक कैरम बॉल फेंकी जिसने सभी को चकमा दे दिया हालांकि, सभी जानते हैं कि यह आपके लिए भी एक कठिन फैसला रहा होगा, खासकर भारत के लिए खेलते हुए आपके शानदार करियर के बाद। पत्र में लिखा है, कृपया एक ऐसे करियर के लिए मेरी हार्दिक बधाई स्वीकार करें जो प्रतिभा, कड़ी मेहनत और टीम को हर चीज से ऊपर रखने से भरा रहा है। जब आप अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह रहे हैं, तो जर्सी नंबर 99 की बहुत याद आएगी। क्रिकेट प्रेमियों को उस उम्मीद की कमी खलेगी जो उन्हें तब महसूस होती थी जब आप गेंदबाजी करने के लिए क्रीज पर उतरते थे। हमेशा ऐसा लगता था कि आप विरोधियों के चारों ओर एक ऐसा जाल बुन रहे हैं जो किसी भी क्षण किसी को भी फंसा सकता है। आपके पास अच्छी पुरानी ऑफ-स्पिन के साथ-साथ अभिनव विविधताओं के साथ बल्लेबाजों को मात देने की एक अनोखी क्षमता थी, जैसा कि स्थिति की मांग थी.

आकाश चोपड़ा ने बताया अश्विन के संन्यास का कारण

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आर अश्विन बार-बार उपेक्षा किये जाने से आहत थे। इसी कारण उन्होंने अचानक ही संन्यास का फैसला ले लिया। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। टेस्ट सीरीज के बीच ही आये अश्विन के इस फैसले से प्रशंसकों के साथ ही दिग्गज खिलाड़ी भी हैरान थे। तभी से उनके संन्यास के पीछे अलग-अलग प्रकार की वजहें बताई जा रही है, उनके पिता ने तो यहां तक कह दिया था कि अश्विन का अपमान हो रहा था, इसलिए उसने ये फैसला किया। वहीं पूर्व क्रिकेटर भी अश्विन के इस फैसले से हैरत में पड़ गये। उनका मानना है कि अश्विन विदेशी हालातों में लगातार नजरअंदाज किए जाने से हताश थे।

आकाश ने कहा, आखिर में क्या हुआ? सभी की जिंदगी में एक ऐसा पल आता है, जहां आप सोचते हैं, क्या मैं अब ऐसा करना चाहता हूं क्या मैं इससे ठीक हूं। अश्विन के दिमाग ये चीज काफी समय से रही होगी कि वह विदेश में ज्यादा नहीं खेलता है। जब विदेश में होने वाले मैचों की बात आती है तो टीम के लिए स्पिनर के रूप में पहले विकल्प नहीं है। ये काफी समय से चल रहा है। उन्होंने इसके साथ रहना सीख लिया था। जडेजा विदेश में उनसे आगे रहते थे। उन्होंने इस बात से समझौता कर लिया कि जडेजा खेल रहे हैं।

वहीं जब उनके ऊपर युवा वाशिंगटन सुंदर को प्राथमिकता दी गयी तो उनका धैर्य टूट गया। उसने अपने आज से कहा होगा, अब बहुत हुआ, मैं खेल चुका। अश्विन ने पिंक बॉल टेस्ट खेला पर जब वह गाबा से ड्रॉप हुआ, उसने कहा, मुझे जितना खेलना था खेल चुका। आप मुझे अंतिम ग्यारह में शामिल करने को लेकर गंभीर नहीं हैं। इसलिए अब मुझे जाना चाहिये।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के मीडिया कर्मियों के बीच मुकाबला रद्द हुआ

-जडेजा की प्रेस कॉन्फ्रेंस में उठा विवाद बना कारण

मेलबर्न। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच से पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया के मीडिया कर्मियों के बीच एक टी20 मुकाबला खेला जाना था जिसे अब रद्द कर दिया गया है। इसका कारण भारतीय टीम के ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उठा विवाद रहा। एमसीजी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथे टेस्ट से पहले जडेजा ने कुछ पत्रकारों से अलग-अलग विषयों पर बात की। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के एक वर्ग ने यह आरोप लगाया कि जडेजा ने अंग्रेजी में सवालों के जवाब देने से इनकार कर दिया और सवाल पूछने से पहले ही वे वहां निकल गए। इसी बात को लेकर उठा विवाद बढ़ गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की तरफ से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को कवर कर रहे दोनों देशों के मीडियाकर्मियों के लिए एक दोस्ताना टी20 मैच का आयोजन किया जाना था पर जडेजा के प्रेस कॉन्फ्रेंस विवाद के कारण मीडिया कर्मियों ने इस मैच का बहिष्कार किया। यही कारण है कि मुकाबले को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अब रद्द कर दिया।एक रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों के बीच यह प्रेस मैच रविवार दोपहर को होने वाला था। यह खेल मेलबर्न के जंक्शन ओवल में आयोजित होने वाला था, लेकिन इसे रद्द करना पड़ा।

रवि शास्त्री की चिंता- ट्रेविस हेड सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं, उन्हें रोकना होगा मुश्किल

मेलबर्न (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रवि शास्त्री का मानना है कि 'शॉर्ट बॉल' को जल्दी परखने की क्षमता ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड को बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला में शानदार सफलता दिलाई है और साथ ही उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि मेहमान टीम इस 'सरदर्द' के लिए दवा ढूंढना चाहेगी। श्रृंखला की अपनी पहली पारी में 11 रन पर आउट होने के बाद हेड ने अपने अगले तीन मैचों में 89, 140 और 152 रन बनाए हैं। उन्होंने गुलाबी गेंद के टेस्ट में अहम भूमिका निभाई थी जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीत दर्ज कर 1-1 से बराबरी हासिल की थी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) समीक्षा में शास्त्री ने कहा कि मुझे लगता है कि वह (हेड) बहुत स्मार्ट है। मैंने उन्हें 3 साल पहले देखा था लेकिन अब लगता है कि उनमें काफी सुधार हुआ है। विशेष रूप से वह जिस तरह 'शॉर्ट बॉल% को खेलते हैं। पहले वह शॉट बॉल को खेलने के लिए तैयार रहते थे लेकिन अब उन्होंने इसे छोड़ना भी सीख लिया है। पूर्व भारतीय कोच ने कहा कि गेंद की 'लाइन एवं लेंथ% को जल्दी से परखने की क्षमता हेड को सही स्ट्रोक खेलने का समय देती है। शास्त्री ने कहा कि ऐसा नहीं है कि हमेशा शॉर्ट गेंद पर बड़ा शॉट लगाना होता है। वह या तो इसे छोड़ने या बड़े शॉट लगाने के लिए तैयार रहते हैं। और अगर गेंद मिडिल या ऑफ स्टंप है, तो वह इसे स्क्वायर के सामने भी मारते हैं। इस भारतीय दिग्गज ने यह भी कहा कि जब हेड लय में होते हैं तो उन्हें रोकना मुश्किल होता है।

शास्त्री ने कहा कि वह लेंथ अच्छी तरह पकड़ लेता है। यह उनकी सबसे बड़ी ताकत है। और उनके पास ऑफसाइड के लिए शानदार शॉट होते हैं। इसलिए उन्हें रोकना मुश्किल है। और वह अपनी जिंदगी की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि भारत ट्रेविस नामक 'सरदर्द' के लिए मरहम की तलाश कर रहा है। शास्त्री ने कहा कि उनका नया उपनाम ट्रेविस 'हेड' 'एक' (इंग्लिश में सरदर्द) है। उन्होंने कहा कि वे भारत में उनके लिए मरहम की तलाश कर रहे हैं। पैर की समस्याओं, टखने की समस्याओं (और) यहां तक कि सरदर्द के लिए वे मरहम की तलाश कर रहे हैं। वह इसके लिए आदर्श है।

जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के लगभग हर बल्लेबाज को परेशान किया है लेकिन हेड इसके अपवाद रहे हैं जिन्होंने भारतीय तेज गेंदबाजों का बिना किसी परेशानी का सामना किया है। शास्त्री ने कहा कि हम सभी जानते थे कि वह खतरनाक है। लेकिन जसप्रीत बुमराह की गेंद पर उसने जो पहला शॉट खेला, फ्रंट फुट से वह कवर ड्राइव शानदार था। इससे मुझे लगा कि यह खिलाड़ी अपनी बेहतरीन फॉर्म में है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे?

श्री सीता हरण के बाद हनुमानजी और श्रीराम का मिलन हुआ और हनुमानजी ने श्रीराम को सुग्रीव, जामवंत आदि वानरयूथों से मिलाया। फिर जब लंका जाने के लिए रामसेतु बनाया गया तो श्रीराम ने हनुमानजी को लंका जाने का आदेश दिया, परंतु हनुमानजी ने लंका जाने में अपनी असमर्थता जताई तब जामवंतजी ने हनुमानजी को उनकी शक्तियों की याद दिलाई। परंतु सवाल यह है कि हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे? दरअसल, हनुमानजी को कई देवताओं ने विभिन्न प्रकार के वरदान और अस्त्र-शस्त्र दिए थे। इन वरदानों और अस्त्र-शस्त्र के कारण बचपन में हनुमानजी उधम मचाने लगे थे। खासकर वे ऋषियों के बगीचे में घुसकर फल, फूल खाते थे और बगीचा उजाड़ देते थे। वे तपस्यारत मुनियों को तंग करते थे। उनकी शरारतें बढ़ती गई तो मुनियों ने उनकी शिकायत उनके पिता केसरी से की। माता-पिता में खूब समझाया कि बेटा ऐसा नहीं करते, परंतु हनुमानजी शरारत करने से नहीं रुके तो एक दिन अंगिरा और भृगुवंश के ऋषियों ने कुपित होकर उन्हें श्राप दे दिया कि वे अपने शक्तियों और बल को भूल जाएंगे परंतु उचित समय पर उन्हें उनकी शक्तियों को कोई याद दिलाएगा तो याद आ जाएगी। फिर जब हनुमानजी को श्रीराम का कार्य करना था तो जामवंत जी का हनुमानजी के साथ लंबा संवाद होता है। इस संवाद में वे हनुमानजी के गुणों का बखान करते हैं और तब हनुमानजी को अपनी शक्तियों का आभास होने लगता है। अपनी शक्तियों का आभास होते ही हनुमानजी विराट रूप धारण करते हैं और समुद्र को पार करने के लिए उड़ जाते हैं।

छठी इंद्री क्या होती है, इसे कैसे जागृत किया जा सकता है

- छठी इंद्री को अंग्रेजी में सिक्स्थ सेंस कहते हैं। यह क्या होती है, कहां होती है और कैसे इसे जाग्रत किया जा सकता है यह जानना भी जरूरी है। इसे जाग्रत करने के लिए वेद, उपनिषद, योग आदि हिन्दू ग्रंथों में अनेक उपाय बताए गए हैं। नास्त्रेदमस इसी तरह के उपायों से भविष्यवक्ता बने थे।
- मस्तिष्क के भीतर कपाल के नीचे एक छिद्र है, उसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं, वहीं से सुषुम्ना नाड़ी सहस्रकार के जुड़कर रीढ़ से होती हुई मूलाधार तक गई है। इसी नाड़ी के बायीं ओर इड़ा और दायीं ओर पिंगला नाड़ी स्थित है। दोनों के बीच सुप्तावस्था में छठी इंद्री स्थित है।
- यह छठी इंद्री ही हमें हर वक्त आने वाले खतरे या भविष्य में होने वाली घटनाओं का आभास करती रहती है लेकिन कुछ लोग इसे स्पष्ट समझ लेते हैं और कुछ नहीं। यदि आप इसे समझें तो आपके साथ घटने वाली घटनाओं के प्रति ये इंद्री आपको सजग कर देगी।
- छठी इंद्री जाग्रत होने से व्यक्ति में भूत और भविष्य में झांकने की क्षमता आ जाती है। ऐसा व्यक्ति मीलों दूर बैठे व्यक्ति की बातें सुन सकता और उसे देख भी सकता है। दूसरों के मन की बात जान ही नहीं सकता बल्की उनका मन बदल भी सकता है और दूसरों की बीमारी दूर की जा सकती है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार छठी इंद्री कल्पना नहीं, वास्तविकता है, जो हमें किसी घटित होने वाली घटना का पूर्वाभास कराती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के रॉन रेसिक के अनुसार छठी इंद्रिय के कारण ही हमें भविष्य में होने वाली घटनाओं का पूर्वाभास होता है।
- छठी इंद्री को जाग्रत करने का बहुत ही सरल तरीका है। तीन माह के लिए खुद को परिवार और दुनिया से काटकर आपको योग की शरण में जाना होगा। यम, नियम, प्राणायम और योगासन करते हुए लगातार ध्यान करना होगा।
- प्राणायाम सबसे उत्तम उपाय इसलिए माना जाता है क्योंकि हमारी दोनों भौहों के बीच छठी इंद्री होती है। सुषुम्ना नाड़ी के जाग्रत होने से ही छठी इंद्री जाग्रत हो जाती है। प्राणायम के माध्यम से छठी इंद्री को जाग्रत किया जा सकता है।
- मेस्मेरिज्म या हिप्नोटिज्म जैसी अनेक विद्याएं इस छठी इंद्री को जाग्रत करने का सरल और शॉर्टकट रास्ता है लेकिन इसके खतरे भी हैं। हिप्नोटिज्म को सम्मोहन कहते हैं। सम्मोहन विद्या को ही प्राचीन समय से 'प्राण विद्या' या 'त्रिकालविद्या' के नाम से पुकारा जाता रहा है।
- मन के कई स्तर होते हैं। उनमें से एक है सुक्ष्म शरीर से जुड़ा हुआ आदिम आत्म चेतन मन। यह मन हमें आने वाले रोग या खतरें का संकेत देकर उससे बचने के तरीके भी बताता है। इस मन को प्राणायाम या सम्मोहन से साधा जा सकता है।
- त्राटक क्रिया से भी इस छठी इंद्री को जाग्रत कर सकते हैं। आप बिना पलक गिराए किसी एक बिंदु, क्रिस्टल बॉल, मोमबत्ती या घी के दीपक की ज्योति पर देखते रहिए। इसके बाद आंखें बंद कर ध्यान करें। कुछ समय तक इसका अभ्यास करें। इससे धीरे-धीरे छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी।
- ऐसा कई बार देखा गया है कि कई लोगों ने अंतिम समय में अपनी बस, ट्रेन अथवा हवाई यात्रा को कैंसिल कर दिया और वे चमत्कारिक रूप से किसी दुर्घटना का शिकार होने से बच गए। बस यही छठी इंद्री का कमाल है। आप इसे पहचानें क्योंकि यह सभी संवेदनशील लोगों के भीतर होती है।
- यदि आपको यह आभास होता है कि पीछे कोई चल रहा है या दरवाजे पर कोई खड़ा है। कुछ होनी-अनहोनी होने वाली है या कोई खुशी का समाचार मिलने वाला है तो आप अपनी इस क्षमता पर लगातार गौर करें और ध्यान देंगे तो यह विकसित होने लगेगी। जैसे-जैसे अभ्यास गहराएगा आपकी छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी और आप भविष्यवक्ता बन जाएंगे।

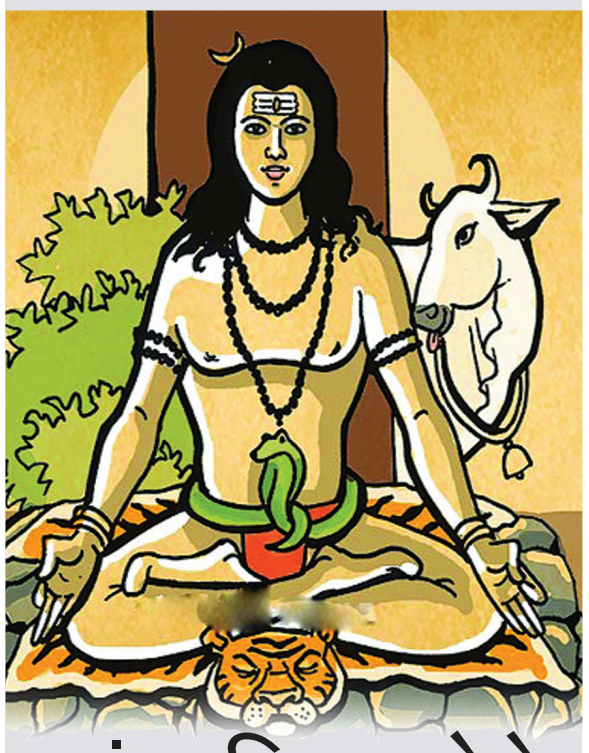

तुरंत सिद्ध होते हैं साबर मंत्र

वैदिक अथवा तांत्रोक्त अनेक ऐसे मंत्र हैं, जिसमें साधना करने के लिए अत्यंत सावधानी की जरूरत होती है। असावधानी से कार्य करने पर प्रभाव प्राप्त नहीं होता अथवा सारा श्रम व्यर्थ चला जाता है, परंतु शाबर मंत्रों की साधना या सिद्धि में ऐसी कोई आशंका नहीं होती। यह सही है कि इनकी भाषा सरल और सामान्य होती है।

माना जाता है कि लगभग सभी साबर साधनाओं और मंत्रों का अविष्कार गुरु गोरखनाथ ने किया है। यह मंत्र बहुत जल्दी ही सिद्ध भी हो जाते हैं और इनकी साधनाएं बहुत ही सरल होती हैं। ओम गुरुजी को आदेश गुरजी को प्रणाम, धरती माता धरती पिता, धरती धरे ना धीरबाजे श्रींगी बाजे तुरतुरि आया गोरखनाथमीन का पुत मुंज का छड़ा लोहे का कड़ा हमारी पीठ पीछे यति हनुमंत खड़ा, शब्द सांचा पिंड काचास्फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।।

इस मन्त्र को सात बार पढ़ कर चाकू से अपने चारों तरफ रक्षा रेखा खींच ले गोलाकार, स्वयं हनुमानजी साधक की रक्षा करते हैं। शर्त यह है कि मंत्र को विधि विधान से पढ़ा गया हो। साबर मंत्रों को पढ़ने पर ऐसा कुछ भी अनुभव नहीं होता कि इनमें कुछ विशेष प्रभाव है, परंतु मंत्रों का जप किया जाता है तो असाधारण सफलता दृष्टिगोचर होती है। कुछ मंत्र तो ऐसे हैं कि जिनको सिद्ध करने की जरूरत ही नहीं है, केवल कुछ समय उच्चारण करने से ही उसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देने लगता है। यदि किसी मंत्र की संख्या निर्धारित नहीं है तो मात्र 1008 बार मंत्र जप करने से उस मंत्र को सिद्ध समझना चाहिए। दूसरी बात शाबर मंत्रों की सिद्धि के लिए मन में दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति का होना आवश्यक है। जिस प्रकार की इच्छा शक्ति साधक के मन में होती है, उसी प्रकार का लाभ उसे मिल जाता है। यदि मन में दृढ़ इच्छा शक्ति है तो अन्य किसी भी बाह्य परिस्थितियों एवं कुविचारों का उस पर प्रभाव नहीं पड़ता।

9 प्रमुख मणियां किस मणि को धारण करने से क्या होता है

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकांता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि इन मणियों को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- घृत मणि की माला धारण कराने से बच्चों को नजर से बचाया जा सकता है।
- स्फटिक मणि को धारण करने से कभी भी लक्ष्मी नहीं रूठती।
- तैल मणि को धारण करने से बल-पौरूष की वृद्धि होती है।
- भीष्मक मणि धन-धान्य वृद्धि में सहायक है।
- उपलक मणि को धारण करने वाला व्यक्ति भक्ति व योग को प्राप्त करता है।
- उलूक मणि को धारण करने से नेत्र रोग दूर हो जाते हैं।
- लाजावर्त मणि को धारण करने से बुद्धि में वृद्धि होती है।
- मासर मणि को धारण करने से पानी और अग्नि का प्रभाव कम होता है।

तेलमणि को धारण करने से होती हैं सभी मनोकामनाएं पूर्ण

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकांता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि तेलमणि को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- तेलमणि को उदउक, उदोक भी कहते हैं और अंग्रेजी में टूर्मेलीन कहा जाता है।
- लाल रंग की आभा लिए हुए श्वेत, पीत व कृष्ण वर्ण की होती है तेलमणि और स्पर्श करने से तेल जैसा चिकना ज्ञात होता है।
- कहते हैं कि श्वेत रंग की तेलमणि को अग्नि में डालने पर ही पीत वर्ण की तथा कपड़े में लपेट कर रखने पर तीसरे दिन पीत वर्ण की हो जाती है। लेकिन बाहर निकालकर हवा में रखने से कुछ समय बाद ही यह पुनः अपने असली रंग में बदल जाती है।
- इस मणि को धारण करने से भक्ति भाव, वैराग्य तथा आत्म ज्ञान प्राप्त होकर सभी तरह की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।
- कहते हैं कि रोहिणी नक्षत्र, पूर्णिमा या मंगलवार के दिन तेलमणि को जिस खेत में 4-5 हाथ गहरे गड्ढे में खोदकर दबा दिया जाए और मिट्टी से ढंककर सींचा जाए तो सामान्य से बहुत अधिक अन्न उत्पन्न होता है।

इन कारणों से दिखाई देते हैं हमें अच्छे या बुरे सपने

मनोविज्ञान, आयुर्वेद, ज्योतिष और योग में अच्छे या बुरे सपने दिखाई देने के कई कारण बताए गए हैं। जब हम कोई स्वप्न देखते हैं तो जरूरी नहीं कि प्रत्येक सपने का अच्छा या बुरा फल होता है। आओ जानते हैं कि सपने किन कारणों से दिखाई देते हैं।

अधिकतर सपने हमें हमारी दिनचर्या में किए गए कार्य से प्राप्त होते हैं। कार्य का अर्थ हमने जो देखा, सुनना, समझा, इच्छा किया और भोगा वह हमारे चित्त में विराजित होकर रात में स्वप्नों के रूप में दिखाई देता है। यह सब बदले स्वरूप में इसलिए भी होते हैं क्योंकि वे हमारे शरीर में स्थित भोजन और पानी की स्थिति और अवस्था से भी संचालित होते हैं। निम्नलिखित बातों से आप समझ सकते हैं। इन कारणों से दिखाई देते हैं स्वप्न :-

- दृष्ट- जो जाग्रत अवस्था में देखा गया हो उसे स्वप्न में देखना।
- श्रुत- सोने से पूर्व सुनी गई बातों को स्वप्न में देखना।
- अनुभूत- जो जागते हुए अनुभव किया हो उसे देखना।
- प्रार्थित- जाग्रत अवस्था में की गई प्रार्थना की इच्छा को स्वप्न में देखना।
- दोषजन्य- वात, पित्त आदि दूषित होने से स्वप्न देखना।
- भाविक- जो भविष्य में घटित होना है, उसे देखना।

अतः अब आप जान सकते हैं कि आपने जो सपने देंखे हैं वे किस श्रेणी के हैं। इससे आप यह भी अनुमान लगा सकते हैं कि आपका सपना शुभ होगा या अशुभ।

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का क्या है महत्व

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का बहुत महत्व है। सफेद रंग हर तरह से शुभ माना गया है, लेकिन वक्त के साथ लोगों ने इस रंग का मांगलिक कार्यों में इस्तेमाल बंद कर दिया। हालांकि प्राचीनकाल में सभी तरह के मांगलिक कार्यों में इस रंग के वस्त्रों का उपयोग किया जाता था। यह रंग शांति, शुभता, पवित्रता और मोक्ष का रंग है।

लक्ष्मी का वस्त्र : सच तो यह है कि सफेद रंग सभी रंगों में अधिक शुभ माना गया है इसीलिए कहते हैं कि लक्ष्मी हमेशा सफेद कपड़ों में निवास करती है।

मांगलिक वस्त्र : 20-25 वर्षों पहले तक लाल जोड़े में सजी दुल्हन को सफेद ओढ़नी ओढ़ाई जाती थी। इसका यह मतलब कि दुल्हन ससुराल में पहला कदम रखे तो उसके सफेद वस्त्रों में लक्ष्मी का वास हो। आज भी ग्रामीण क्षेत्र में सफेद ओढ़नी की परंपरा का पालन किया जाता है।

यज्ञकर्ता का वस्त्र : प्राचीन काल में जब भी यज्ञ किया जाता था तो पुरुष और महिला दोनों ही सफेद वस्त्र ही धारण करके बैठते थे। पुरोहित वर्ग इसी तरह के वस्त्र पहनकर यज्ञ करते थे। दूसरी ओर आज भी किसी भी सम्मान समारोह आदि में सफेद कुर्ता और धोती पहनने का रिवाज है।

विधावा का वस्त्र : यदि किसी का पति मर गया तो उसे विधवा और किसी की पत्नी मर गई है तो उसे विधुर कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार पति की मृत्यु के नौवें दिन उसे दुनियाभर के रंगों को त्यागकर सफेद साड़ी पहननी होती है, वह किसी भी प्रकार के आभूषण एवं श्रृंगार नहीं कर सकती। स्त्री को उसके पति के निधन के कुछ सालों बाद तक केवल सफेद वस्त्र ही पहनने होते हैं और उसके बाद यदि वह रंग बदलना चाहे तो बेहद हल्के रंग के वस्त्र पहन सकती है। मध्यकाल में हिन्दू धर्म में कई तरह की बुराइयां सम्मलित हुई उसमें एक यह भी थी कि कोई स्त्री यदि विधवा हो जाती थी तो वह दूसरा विवाह नहीं कर पाती थी। हालांकि आज भी उत्तर भारत के ग्रामीण इलाकों में विधवा विवाह का प्रचलन है जिसे नाता कहा जाता है। कोई स्त्री पुनर्विवाह का निर्णय लेती है, तो इसके लिए वह स्त्रतंत्र है। आज समाज का स्वरूप बदल रहा है। विधवाएं रंगीन वस्त्र भी पहन रही है और शादी भी कर रही हैं। वेदों में एक विधवा को सभी अधिकार देने एवं दूसरा विवाह करने का अधिकार भी दिया गया है। वेदों में एक कथन शामिल है-

'उदीरष्व नार्यभि जीवलोकं
गतासुमेतमुप शेष एहि।
हस्तग्राभस्य दिधिषोस्तवेदं
पत्युर्जनित्वमभि सम्बभूथ।'

अर्थात पति की मृत्यु के बाद उसकी विधवा उसकी याद में अपना सारा जीवन व्यतीत कर दे, ऐसा कोई धर्म नहीं कहता। उस स्त्री को पूरा अधिकार है कि वह आगे बढ़कर किसी अन्य पुरुष से विवाह करके अपना जीवन सफल बनाए। चार कारणों से विधवा महिलाओं को सफेद वस्त्र दिए गए। पहला यह कि यह रंग कोई रंग नहीं बल्कि रंगों के अनुपस्थिति है। मतलब यह कि अब जीवन में कोई रंग नहीं बचा। दूसरा यह कि इससे महिला की एक अलग पहचान बन जाती है और लोग उसे सहानुभूति एवं संवेदना रखते हैं। तीसरा यह कि सफेद रंग आत्मविश्वास, सात्विक और शांति का रंग है। इसके साथ ही सफेद वस्त्र विधवा स्त्री को प्रभु में अपना ध्यान लगाने में मदद करते हैं। चौथा कराण यह कि इससे महिला का कहीं ध्यान नहीं भटकता है और उसे हर वक्त इसका अहसास होता है कि वह पवित्र है। पांचवां कारण यह कि यदि महिला के कोई पुत्र या पुत्री है तो वह अपने भीतर नैतिकता और जिम्मेदारी का अहसास करती रहे ताकि वह दूसरा विवाह नहीं करें। दोबारा शादी नहीं करने से पुत्र पुत्रियों के जीवन पर विपरित या प्रतिकुल असर नहीं पड़ता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

असम में बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई में 416 लोग गिरफ्तार

-सीएम सरमा बोले-सामाजिक बुराई को खत्म करने लड़ाई जारी रहेगी

त्रिपुरा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा कि राज्य में बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई में 416 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 335 मामले दर्ज किए गए हैं। गिरफ्तार लोगों को अदालत में पेश किया। सीएम सरमा ने एक्स पर लिखा- असम बाल विवाह के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखा है। तीसरे चरण के अभियान में 416 गिरफ्तारियां की गईं और 335 मामले दर्ज किए गए है। हम इस सामाजिक बुराई को खत्म करने के लिए साहसिक कदम उठाते रहेंगे। असम सरकार ने 2023 में फरवरी और अक्टूबर में दो चरणों में बाल विवाह के खिलाफ अभियान शुरू किया था। फरवरी में पहले चरण में 3,483 लोगों को गिरफ्तार किया था और 4,515 मामले दर्ज किए गए थे, जबकि अक्टूबर में दूसरे चरण में 915 लोगों को गिरफ्तार किया और 710 मामले दर्ज किए गए।

राजस्थान में हायप्रोफाइल गिरोह का पर्दाफाश

- गैंग में 5वीं पास से लेकर वकील, टीचर, आईटीआई प्रशिक्षित और अकाउंटेंट जैसे लोग शामिल

जयपुर । राजस्थान के एसओजी ने हाल ही में गिरफ्तार की एक अत्यंत हायप्रोफाइल गिरोह की पूरी जानकारी दी है। इस गिरोह में 16 लुटेरे शामिल थे, जिनमें से कुछ ने अकाउंटेंट और वकील के रूप में अपनी उपयोगिता छुपाई थी। यह गिरोह राजस्थान में बैठकर सामाजिक न्याय को लूट रही थी, और अन्य राज्यों में भी अपनी गतिविधियां चला रही थी। इस गिरोह के शुरूआती सदस्य सिर्फ 5वीं कक्षा पास थे, लेकिन समय के साथ-साथ वे गिरोह के सहायक और मुख्य और विविध कार्यों को संभालने के लिए वकील तक उच्च शिक्षा प्राप्त कर लिए थे। एक साथ उनकी उत्तम प्रवृत्ति ने इन्हें समाज में गड़बड़ फैलाने का साधन बना दिया। राजस्थान की पुलिस ने इस पहचानने वाले गिरोह की सभी चालाकी का पर्दाफाश किया है और उन्हें अवस्थानिक न्याय दिलाने के लिए कड़ी कार्रवाई करने का वादा किया है। इस घटना ने समाज में चिंता का विषय बना दिया है और लोग अब सावधान रहने के लिए कहा जा रहे हैं।

वाराणसी में सुबह-सुबह लूट : सोना लूटकर फरार हुए बदमाशों ने पिता-पुत्र को मारी गोली

वाराणसी। यहां सुबह होते ही बदमाशों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया। रथयात्रा से कमच्छा के बीच मोड़ पर कार सवार बदमाशों ने रविवार सुबह सरेआम सराफा कर्मचारी और उनके पुत्र को गोली मार कर गहने लूट लिये। शुरुआती जांच में सामने आया है कि बदमाशों ने 125 ग्राम सोने के आभूषण लूटे हैं। पिता और पुत्र को बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। दोनों की हालत फिलहाल ठीक बताई जा रही है। सूचना मिलते ही मौके पर भेलूपुर इंस्पेक्टर विजय कुमार शुक्ला, लंका इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्र पहुंचे। पिता-पुत्र को तुरंत बीएचयू ट्रामा सेंटर ले जाया गया। ट्रामा सेंटर में पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल, डीसीपी काशी जोन गौरव बंसवाल पहुंचे। उन्होंने घायल पिता-पुत्र का हाल लिया।इस वारदात के बाद खुलासे के लिए वाराणसी पुलिस की छह टीमें लगाई गई हैं। पुलिस बदमाशों की तलाश में जुट गई है। शहर और जिले की सीमा पर नाकेबंदी कर दी गई है। गुरुधाम कालोनी के राम जानकी मंदिर के पास के निवासी 46 वर्षीय दीपक सोनी चौक के गोविंदपुरा में एक सराफा के यहां 20 साल से काम करते हैं। वह मुंबई में अपने मालिक के भाई की दुकान से गहने लाने गए थे। महानगरी एक्सप्रेस से वह वाराणसी आए। वाराणसी स्टेशन पर आने पर उन्होंने अपने 18 वर्षीय बेटे आर्यन को फोन किया। आर्यन लाल रंग की स्कूटी लेकर गया। पिता-पुत्र स्कूटी से लौट रहे थे। वे कमच्छा में पहुंचे ही थे कि तभी सफेद रंग की कार ने ओवरटेक कर रोक दिया। चार से पांच की संख्या में बदमाश दीपक सोनी से गहने का बैग छीनने लगे। विरोध करने पर उन्होंने मारपीट की और गोली मार दी। एक गोली दीपक की पीठ में नीचे की ओर लगी है। जबकि आर्यन के बाएं पैर में गोली लगी है।

हरिद्वार में नहीं मिली धर्म संसद करने की अनुमति, अब कुंभ मेले में होगी आयोजित

हरिद्वार। हरिद्वार में धर्म संसद के आयोजन के लिए प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने के बाद अब प्रयागराज कुंभ में धर्म संसद करने की योजना बनाई गई है। इसको लेकर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी ने सनातन धर्म के लिए इस संघर्ष में साथ देने की बात कही है। बता दें कि 19 से 21 दिसंबर तक हरिद्वार के जूना अखाड़े में धर्म संसद लगाने के लिए प्रशासनिक अनुमति नहीं मिलने पर स्वामी यति नरसिंहानंद ने पुलिस और प्रशासन पर कड़ी आपत्ति जताई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि अधिकारियों ने उन्हें धमकाया और धर्म संसद आयोजित करने में बाधा डाली। इसके बाद स्वामी ने सीएम पुष्कर सिंह धामी को पत्र लिखकर इसकी शिकायत की थी। धर्म संसद के आयोजन के लिए हरिद्वार में प्रशासनिक अनुमति नहीं मिलने के बाद स्वामी यति नरसिंहानंद ने अब प्रयागराज कुंभ में धर्म संसद आयोजित करने का ऐलान किया है। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के उत्पीड़न को रोकने के लिए कठोर कदम उठाने की भी अपील की। यति नरसिंहानंद ने ये भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने धर्म संसद की अनुमति में कोई हस्तक्षेप नहीं किया बल्कि ये अनुमति पुलिस प्रशासन ने नहीं दी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कोई गलती नहीं की है और इस कारण से पदयात्रा का औचित्य नहीं बनता।

राहुल गांधी का जाति जनगणना पर दिया बयान गृहयुद्ध शुरू करने की कोशिश जैसा

-बरेली जिला न्यायालय में की गई याचिका दायर, नेता प्रतिपक्ष को नोटिस जारी

बरेली (एजेंसी)। यूपी के बरेली जिला न्यायालय ने जाति जनगणना पर दिए बयान पर लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ता पंकज पाठक ने यह याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया है कि हमें लगा कि जाति जनगणना पर चुनाव के दौरान राहुल गांधी द्वारा दिया गया बयान देश में गृहयुद्ध शुरू करने की कोशिश जैसा है। हमने पहले एमपी-एमएलए कोर्ट में उनके खिलाफ मामला दायर किया था, जिसे खारिज कर दिया गया। उसके बाद हम जिला जज कोर्ट गए, वहां हमारी अपील स्वीकार कर ली गई और राहुल गांधी को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में 7 जनवरी की तारीख दी है।

इस बीच राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की थी और दावा किया कि संविधान पर हमला हुआ है और बीजेपी, पीएम मोदी और अमित शाह ने बाबा साहेब आंबेडकर का अपमान करके बहुत बड़ी गलती की है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर टिप्पणियों के बारे में पोस्ट करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी, नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने संविधान पर हमला करके और बाबा साहेब का अपमान करके अपने जीवन की सबसे बड़ी गलती की है। भारत उनकी इस गलती को माफ नहीं करेगा। गृह मंत्री को माफी मांगनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए।

उन्होंने डॉ आंबेडकर पर अमित शाह की टिप्पणी के बाद कांग्रेस द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शनों, मार्च और भाषणों का एक मोंटाज पोस्ट किया। राहुल गांधी ने अपने संसद के भाषण का भी जिक्र किया और इसे मनुस्मृति और संविधान के बीच की लड़ाई बताया है। उन्होंने कहा कि एक पक्ष संविधान का बचाव करता है। उन्होंने संसद में अपने भाषण में कहा कि संविधान में लिखा है कि नस्ल, जाति, धर्म और जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव पर रोक है...आज भारत में एक लड़ाई चल रही है। यह पक्ष संविधान के विचार का रक्षक है।

पीएम मोदी आज 71,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र करेंगे प्रदान

नई दिल्ली। पीएम नरेन्द्र मोदी सोमवार को 'रोजगार मेला के तहत करीब 71 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे। पीएमओ ने रविवार को इसकी जानकारी दी। पीएम मोदी इस अवसर पर युवाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित भी करेंगे। पीएमओ ने कहा कि रोजगार सृजन को मुख?य प्राथमिकता देने की पीएम की प्रतिबद्धता पूरी करने की दिशा में यह रोजगार मेला महत?वपूर्ण कदम है। पीएमओ ने कहा कि यह युवाओं को राष्ट्र निर्माण और आत्म सशक्तीकरण में उनकी भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। यह रोजगार मेला देशभर में 45 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में नियुक्त किया जाएगा। इनमें गृह मंत्रालय, डाक विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एवं वित्तीय सेवा शामिल हैं। रोजगार मेले की शुरुआत 22 अक्टूबर 2022 को हुई थी। हाल में संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार ने बताया था कि रोजगार मेले के जरिए अब तक कई लाख युवाओं को नौकरी दी जा चुकी है।

31 दिसंबर को पूरी रात खुला रहेगा साईं समाधि मंदिर

शिरडी (एजेंसी)। क्रिसमस का जश्न मनाने, मौजूदा साल की विदाई और नए साल के स्वागत के लिए साईंबाबा संस्थान की ओर से शिरडी महोत्सव का आयोजन किया जाता है। साईं बाबा के दर्शन के लिए शिरडी में भीड़ बढ़ने की संभावना को देखते हुए 31 दिसंबर को साईं समाधि मंदिर दर्शन के लिए पूरी रात खुला रखा जाएगा। यह जानकारी संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बालासाहेब कोलेकर ने दी है। दरअसल हर साल क्रिसमस की छुट्टियों के दौरान भक्त बड़ी संख्या में साईं बाबा के दर्शन करने, मौजूदा साल की विदाई और नए साल का स्वागत करने के लिए शिरडी आते हैं। मुख्य कार्यकारी अधिकारी बालासाहेब कोलेकर ने बताया कि शिरडी साईं समाधि मंदिर को दर्शन के लिए इस उद्देश्य से खुला रखा जाएगा कि आने वाले सभी भक्त साईं बाबा की समाधि के दर्शन कर सकें। इस बीच 31 दिसंबर को शेजारती और 1 जनवरी (नववर्ष 2025) को काकड़ आरती नहीं होगी। क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों की भीड़ के कारण वाहन पूजा 25 दिसंबर से 1 जनवरी तक यानि 7 दिनों के लिए बंद रहेगी। क्रिसमस अवकाश अवधि के दौरान श्री सैस्त्यव्रत पूजा, अभिषेक पूजा जारी रहेगी। कोलेकर ने यह भी कहा कि मुख्य बात यह है कि मंदिर और उसके परिसर में पटाखे और संगीत वाद्ययंत्र बजाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कोलेकर ने साईं भक्तों से अपील की है कि सुरक्षा की दृष्टि से इन नियमों का पालन किया जाना चाहिए। संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बालासाहेब कोलेकर, संस्थान के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सभी प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ विभागों के प्रमुख और सभी कर्मचारी इस महोत्सव के सफल समापन के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। छुट्टियों के दौरान संभावित भीड़ को देखते हुए साईं संस्था भक्तों के दर्शन की सुविधा के लिए विभिन्न उपाय लागू कर रही है। इसलिए श्रद्धालु 31 दिसंबर को रात में भी साईं बाबा के समाधि का दर्शन कर सकेंगे।

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड जारी, कई राज्यों में बारिश का अलर्ट

हिमाचल समेत 3 राज्यों में तापमान 0 डिग्री से नीचे, चंडीगढ़ में 0.8

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली, यूपी समेत उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। आने वाले दिनों में गलन वाली ठंड पड़ेगी। आंधी-तूफान और बारिश से 9 राज्यों में असर, 12 राज्यों में शीतलहर-कोहरे का अलर्ट देशभर में कड़ाके की ठंड का कहर जारी है। कहीं माइनस में तापमान गिर गया है तो कहीं शीतलहर से लोग कांप रहे हैं। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के धारचूला में हाल ही में लैंडस्लाइड (भूस्खलन) हुआ जिससे नेशनल हाईवे ब्लॉक हो गया।

यूपी में 26 से 28 दिसंबर के बीच बारिश होगी तो वहीं दिल्ली में 23 दिसंबर को हल्की बारिश की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा, 26 और 27 को भी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने बताया है कि 27 और 28 दिसंबर को पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश में बारिश और आंधी तूफान की आशंका है।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में में तापमान 0 डिग्री के नीचे बना हुआ है। हिमाचल में आज बर्फबारी का भी अलर्ट जारी किया गया है। इससे तापमान में और भी ज्यादा गिरावट हो सकती है। पंजाब-हरियाणा में भी शीतलहर के कारण तापमान में गिरावट दर्ज हुई। चंडीगढ़ में तापमान 0.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, पंजाब के आदमपुर इलाके में पारा 1.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग ने बताया है कि उत्तर पश्चिम भारत के पहाड़ी राज्यों के साथ-साथ मैदानी इलाकों में भी बारिश होगी। इसके अलावा, मध्य भारत के राज्यों में भी 27 और 28 दिसंबर को बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, हिमाचल प्रदेश के स्थानीय मौसम विभाग ने शीत लहर की चेतावनी जारी की और 23 और 24 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर भारी बर्फबारी और बारिश की आशंका जताई और 27 दिसंबर को कई स्थानों पर भारी बर्फबारी और बारिश की आशंका जताई है।

ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर और मंडी में 24 दिसंबर तक कुछ स्थानों पर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अतिरिक्त, चंबा, कांगड़ा और कुल्लू में 25 दिसंबर तक शीत लहर और जमीनी पाले पड़ने की चेतावनी जारी की है। स्थानीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक भाखड़ा बांध और बल्ह घाटी के जलाशय क्षेत्र के कुछ हिस्सों में सुबह और देर रात घना कोहरा छाने की संभावना है। वहीं, राजस्थान के कई हिस्सों में भी घना कोहरा और कड़ाके की ठंड रिकॉर्ड की है।

मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि सीकर में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस, पिलानी में 5.4 डिग्री सेल्सियस, गंगानगर में 6.1 डिग्री सेल्सियस और नागौर और चूरू में 6.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 23 और 24 दिसंबर को राजस्थान के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में हल्की बारिश और बादल छाए रहने की संभावना है। 26 और 27 दिसंबर को एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है और राज्य के कुछ हिस्सों में गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

अल्लू अर्जुन के घर में तोडफ़ोड़

हैदराबाद। पुलिस ने हैदराबाद में अल्लू अर्जुन के घर के बाहर तोडफ़ोड़ करने के आरोप में आठ लोगों को अरेस्ट किया है। एक्टर अल्लू अर्जुन हैदराबाद स्थित घर के बाहर उस्मानिया यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने तोडफ़ोड़ की है। इस मामले में पुलिस ने 8 सदस्यों की गिरफ्तारी हुई है। ये लोग एक्टर के घर में जबरन घुसने की कोशिश कर रहे थे। वे पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान संध्या थिएटर में मची भगदड़ में मारी गई महिला के परिवार को 1 करोड़ रुपए का मुआवजा देने की मांग की। इस घटना के कुछ समय पहले ही अल्लू अर्जुन ने पोस्ट किया था- मैं अपने सभी फैंस से अपील करता हूं कि वे हमेशा की तरह जिम्मेदारी से अपनी भावनाएं व्यक्त करें। ऑनलाइन और ऑफलाइन किसी भी प्रकार की अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल न करें, ना ही किसी से गलत व्यवहार करें।

हाई-प्रोफाइल शादियों पर है आयकर विभाग की नजर, मेहमानों से होगी पूछताछ

-इस साल महंगी शादियों पर करीब 7500 करोड़ रुपए का कैश ट्रांजेक्शन हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में शादियों का ट्रेंड बदल रहा है लोग शादी पर लाखों रुपए खर्च कर रहे हैं। पिछले कुछ सालों में कई हाई-प्रोफाइल और महंगी शादियां हुई हैं। इन शादियों में शाही इंतजाम पर पानी की तरह पैसा बहाया जाता है, लेकिन अब ये महंगी शादियां आयकर विभाग की रडार पर हैं। ऐसे में अब इनकम टैक्स विभाग शादी के खर्चों को लेकर कपल और लोगों से जवाब-तलब कर सकता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक आयकर विभाग करीब 7500 करोड़ रुपए की संदिग्ध टैक्स चोरी के मामले में जयपुर में करीब 20 वेडिंग प्लानरों की जांच कर रहा है। यह जांच कैश ट्रांजेक्शन और खच्चर खातों व नकली बिलों के इस्तेमाल पर फोकस कर रही है। इस जांच का दायरा विदेशों में डेस्टिनेशन वेडिंग और संबंधित विदेशी मुद्रा नियमों तक हो सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस साल ऐसी कई महंगी शादियां हुई हैं, जिनमें करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। महंगे होटल से लेकर करके बालीवुड सितारों को बुलाने पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए। ऐसा अनुमान है कि एक साल में इन शादियों पर करीब 7500 करोड़ रुपए के कैश ट्रांजेक्शन हुए हैं। हैरानी की बात यह है कि कम खर्च दिखाने के लिए इन शादियों में नकली बिलों का इस्तेमाल किया गया। इतना ही नहीं बल्कि हैदराबाद और बेंगलुरु से हवाला ऑपरेटर्स और म्यूल अकाउंट्स के जरिये इन शादियों में पैसा खर्च किया गया है।

ऐसी शादियों के खिलाफ इनकम टैक्स का तलाशी अभियान जारी है। सूत्रों ने बताया कि कि इसका दायरा जल्द ही विदेशी गंतव्य शादियों में मनी ट्रेल की जांच तक बढ़ाया जाएगा, जहां मेहमानों और सितारों को विदेशी स्थानों पर ले जाने के लिए चार्टर्ड प्लेन बुक किए जाते हैं। आयकर विभाग अब यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि शादियों में कितना खर्च हुआ है, इसके लिए कैश ट्रांजेक्शन कितने हुए। इसकी जांच के लिए आयकर विभाग मेहमानों की लिस्ट, खाने-पीने और अन्य खर्चों की जांच भी करेगा। साथ ही मेहमानों और कैटरिंग फर्म्स से भी आयकर विभाग पूछताछ कर सकता है।

जयपुर में अग्निकांड में डीएनए से हुई रिटायर्ड आईएएस के शव की पहचान

* एक शव दो हिस्सों में बंटा होने से गिनती में हो गई थी गलती

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के भांकरोटा में दो दिन पहले भीषण अग्निकांड का शिकार हुए रिटायर्ड आईएएस करणी सिंह राठौड़ के शव की डीएनए जांच से शिनाख्त हो गई है। उनके शव की शिनाख्तगी के लिए उनकी बेटी का डीएनए लिया गया था। वहीं एक और अन्य शव की भी डीएनए जांच से पहचान की गई है। हादसे में 13 लोग मारे गए हैं। पहले इनकी संख्या 14 बताई गई थी। हादसे में लोग बुरी तरहर जल गए थे कि शवों की पहचान करना मुश्किल हो रहा था। इसलिए डीएनए जांच करवाई गई।

जानकारी के मुताबिक मृतकों की संख्या को लेकर डीएनए जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखे गए पांच अज्ञात शवों के सैम्पल जांच के लिए भेजे गए थे। इनमें दो शवों का एक ही डीएनए निकला। हादसे के बाद जब जले हुए लोगों के शवों को उठाया गया था तब एक शव दो हिस्सों में बंटा हुआ था। लिहाजा उन्हें दो शवों के अवशेष मान लिया गया था, लेकिन जांच के बाद अब तय हो गया कि ये शव पांच नहीं बल्कि चार ही हैं।

इन चार शवों की एफएसएल में हुई डीएनए जांच में दो की शिनाख्त हो गई है। इनमें एक शव रिटायर्ड आईएएस करणी सिंह का है और दूसरा यूपी निवासी संजय का है। राजस्थान एफएसएल टीम ने रिकॉर्ड समय में किए इन शवों की डीएनए जांच पूरी कर ली है। करणी सिंह की मौत की पुष्टि घटनास्थल पर जली हुई मिली उनकी कार से हुई थी। कार के चेसिस नंबरों के आधार पर माना गया था कि करणी सिंह अग्निकांड के शिकार हुए हैं, लेकिन उनके शव की शिनाख्त नहीं हो पा रही थी।

हादसे के अन्य घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इनमें आधा दर्जन से ज्यादा घायलों की हालत गंभीर है। इस अग्निकांड की जांच एसआईटी कर रही है। जांच कर रही प्रशासनिक कमेटी की शनिवार को बैठक हुई। हाईकोर्ट ने भी इस मामले में प्रसंज्ञान लिया है। हाईकोर्ट ने भारत सरकार पेट्रोलियम मंत्रालय, सीएस और आपदा प्रबंधन सचिव सहित राजस्थान के पेट्रोलियम सचिव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने मामले को सुनवाई के लिए खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए हैं।

इसरो का स्पेडेक्स मिशन पर जोर, पीएसएलवी-सी60 रॉकेट लॉन्चपैड पर तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) स्पेडेक्स मिशन की पुरजोर तैयारी कर चुका है। पीएसएलवी-सी60 रॉकेट पहले लॉन्चपैड पर तैनात है। उसकी चिपटी नाक में स्पेडेक्स सैटेलाइट रखे हैं। लॉन्चिंग की तारीख बताई नहीं गई है लेकिन इसरो इसे संभवतः 30 दिसंबर या उसके आसपास कर सकता है।

इस मिशन में दो सैटेलाइट हैं। पहला चेसर दूसरा टारगेट। चेसर सैटेलाइट टारगेट को पकड़ेगा और उससे डॉकिंग करेगा। इसके अलावा इसमें एक अहम टेस्ट हो सकता है। सैटेलाइट से एक रोबोटिक आर्म निकले जो हुक के जरिए टारगेट को अपनी ओर खींचेगा ये टारगेट अलग क्यूबसैट हो सकता है।

इस प्रयोग से भविष्य में इसरो ऑर्बिट छोड़ अलग दिशा में जा रहे हिस्से को वापस कक्षा में लाने की तकनीक हासिल होगी साथ ही ऑर्बिट में सर्विसिंग और रीफ्यूलिंग का ऑप्शन भी खुल जाएगा। स्पेडेक्स तय करेगा कि भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन कैसे बनेगा और चंद्रयान-4 कैसे जाएगा। इस तस्वीर में दाहिने रॉकेट असेंबलिंग यूनिट और बाएं लॉन्च पैड है। बीच में पीएसएलवी रॉकेट है, जिसे लॉन्च पैड पर ले जाया जा रहा है।

स्पेडेक्स मिशन में दो अलग-अलग स्पेसक्राफ्ट को अंतरिक्ष में जोड़कर दिखाया जाएगा। चंद्रयान-4 के लिए अंतरिक्ष में डॉकिंग बहुत जरूरी तकनीक है। डॉकिंग मतलब जो अलग-अलग हिस्सों को एक-दूसरे की तरफ लाकर उसे जोड़ना है। रॉकेट असेंबलिंग यूनिट से बाहर निकलता पीएसएलवी-सी60 रॉकेट। अंतरिक्ष में दो अलग-अलग चीजों को जोड़ने की ये तकनीक भारत को अपना स्पेस स्टेशन बनाने में मदद करेगी। साथ ही चंद्रयान-4 प्रोजेक्ट में भी सहायता करेगी। स्पेडेक्स यानी एक ही सैटेलाइट के दो हिस्से होंगे। इन्हें एक ही रॉकेट में रखकर लॉन्च किया जाएगा। अंतरिक्ष में ये दोनों अलग-अलग जगहों पर छोड़े जाएंगे।

भविष्य में इस तकनीक के आधार पर भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन भी बनाया जाएगा। इसके बाद इन दोनों हिस्सों को धरती से निचली कक्षा से जोड़ा जाएगा ताकि ये फिर एक यूनिट बन जाएं। इस पूरे प्रोसेस में कई तरह के काम होंगे- जैसे दोनों अलग-अलग हिस्से एक-दूसरे को खुद से अंतरिक्ष में खोजेंगे, उनके पास आएंगे ताकि एक ही ऑर्बिट में आ सकें। इसके बाद दोनों एकदूसरे से जुड़ जाएंगे इस तरह से रॉकेट को बेहद बड़े और मजबूत प्लेटफॉर्म पर रख कर ट्रेन की पटरियों की तरफ खिसकाते हुए लॉन्च पैड तक ले जाते हैं। इसमें काफी समय लगता है। एक बार रॉकेट लॉन्च पैड तक पहुंच जाए, फिर उसकी फ्यूलिंग वगैरह का काम शुरू होता है। ये 24 घंटे के काउंटडाउन के बाद शुरू होता है या यूं कहें कि उसी समय से काउंटडाउन शुरू करते हैं. कई तरह की जांच-पड़ताल होती है। रॉकेट के पूरे सिस्टम चेक किए जाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

इराकी रेजिस्टेंस संग मिलकर इजरायल के खिलाफ किया ड्रोन अटैक : हूती का दावा

सना , एजेंसी। यमन के हूती समूह ने कहा कि उन्होंने इजराइल में सैन्य स्थलों पर इराकी रेजिस्टेंस के साथ मिलकर ड्रोन हमले शुरू किए हैं। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारेया ने एक बयान में कहा, हम यमन के खिलाफ किसी भी इजरायली-अमेरिकी हमले का जवाब उसी तरीके से देंगे और इजरायली दुश्मन के महत्वपूर्ण जगहों के साथ-साथ अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों को भी निशाना बनाने में कोई संकोच नहीं करेंगे। यह बयान शुक्रवार को राजधानी सना में हूती समर्थकों की एक रैली में दिया गया। उन्होंने कहा कि इजरायल के खिलाफ हमले तब तक जारी रहेंगे, जब तक गाजा पर हमला बंद नहीं हो जाता। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, इजरायल ने हूती के दावे पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इजरायली सैन्य प्रवक्ता डेनियल हगारी ने गुरुवार को दावा किया था कि इजरायली बलों ने यमन के हूती ठिकानों पर हवाई हमले किए, जिसमें नौ लोग मारे गए। हगारी ने कहा, इन ठिकानों में सना का बंदरगाह और ऊर्जा सुविधाएं शामिल हैं, जिन्हें हूती अपनी सैन्य कार्रवाई में प्रभावी ढंग से उपयोग कर रहे हैं। इससे पहले, यमन के हूती समूह ने कहा था कि उसने इजरायली शहर तेल अवीव में एक सैन्य लक्ष्य पर ड्रोन हमला किया और सफलतापूर्वक अपना लक्ष्य पूरा किया। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारेया ने गुरुवार को हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी पर प्रसारित एक बयान में कहा, हम इजरायली दुश्मन के साथ लंबे युद्ध के लिए तैयार हैं। हूती समूह 2014 के अंत से उत्तरी यमन के अधिकांश हिस्से पर काबिज है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार को सना से बाहर जाना पड़ा। नवंबर 2023 से हूती समूह इजरायली शहरों पर रॉकेट और ड्रोन हमले कर रहा है और लाल सागर में इजरायल से जुड़े शिपिंग को रुकवा रहा है। यह सब इजरायलियों के साथ चल रहे संघर्ष के बीच गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए किया जा रहा है।

पाकिस्तान : इमरान खान ने सविनय अवज्ञा आंदोलन की धमकी दी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक बार फिर विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। इस बार यह सविनय अवज्ञा आंदोलन होगा। इमरान खान ने पाकिस्तानी प्रवासियों से कहा कि यदि रविवार तक उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो वे पाकिस्तान में धनराशि भेजने का बहिष्कार करें। इमरान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने अपने सर्वोच्च नेता की रिहाई की मांग को लेकर 2023 और 2024 के दौरान कई विरोध प्रदर्शन शुरू किए हैं, जिनमें से सबसे हालिया विरोध प्रदर्शन नवंबर 2024 में हुआ था।

सिंगापुर में प्रतिद्वंद्वी समूह के सदस्य को चोट पहुंचाने के लिए भारतीय मूल के व्यक्ति को जेल की सजा

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर में प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्य को जानबूझकर चोट पहुंचाने का अपराध स्वीकार करने के बाद भारतीय मूल के एक व्यक्ति को छह सप्ताह की जेल की सजा सुनाई गई है। द स्ट्रेट टाइम्स'' की खबर के अनुसार विष्णु सूर्यमूर्ति पर अवैध रूप से जुआ खेलने से जुड़ा एक अलग अपराध स्वीकार करने के बाद 2,000 सिंगापुरी डॉलर का जुर्माना भी लगाया है। विष्णु के समूह से जुड़े एक सदस्य अस्वेन पाचान पिल्लई सुकुमार पर 20 अगस्त 2023 को ऑर्चर्ड रोड के पास सुबह करीब छह बजे कहासुनी के बाद मोहम्मद इशरत मोहम्मद इस्माइल (29) की हत्या का आरोप लगाया गया है। भारतीय मूल के ही सुकुमारन (30) के खिलाफ दर्ज मामला फिलहाल अदालतों में विचाराधीन है। सुकुमारन ने कथित तौर पर इस्माइल का चाकू छीनकर उसपर कई बार वार किए थे। विष्णु को जानबूझकर चोट पहुंचाने के लिए 2022 में दो बार जेल भेजा गया था। न्यायाधीश ओंग लुआन त्जे ने उक्त तथ्य को ध्यान में रखते हुए विष्णु को सजा सुनाई और कहा, आप अब भी युवा हैं... यह सोचने के लिए कुछ समय लें कि आप अपना भविष्य कैसा चाहते हैं, और इस मामले के बाद, अदालत में वापस न आने पर गंभीरता से विचार करें। विष्णु ने इलाज के लिए खुद को एक अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां से पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था।

इटली की अदालत ने साल्विनी को अवैध रूप से प्रवासियों को हिरासत में रखने के आरोप से मुक्त किया

रोम, एजेंसी। इटली की एक अदालत ने उप प्रधानमंत्री माटेओ साल्विनी को एक जहाज पर 100 प्रवासियों को अवैध रूप से हिरासत में रखने के मामले में आरोपमुक्त करार दिया। यह मामला उस वक्त का है जब साल्विनी गृह मंत्री थे। अदालत ने 2019 की घटना के संबंध में साल्विनी के खिलाफ सभी आरोपों को हटा दिया। साल्विनी ने प्रवासियों को कथित रूप से इटली के दक्षिणी द्वीप लैम्पेदुसा में 'ओपन आर्म्स' बचाव जहाज से उतरने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। साल्विनी ने हमेशा अपना बचाव करते हुए कहा है कि उन्होंने इटली की सीमाओं की रक्षा के लिए काम किया।

अमेरिकी संसद के निचले सदन में फंडिंग बिल पास

23 लाख कर्मचारियों की सैलरी इस पर निर्भर ; अब वोटिंग के लिए सीनेट में जाएगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव से शुक्रवार को एक अस्थायी फंडिग बिल पारित हो गया है। इससे आखिरी वक्त में गवर्नमेंट शटडाउन टल गया है। अगर यह शटडाउन लागू हो जाता तो सरकार के पास कर्मचारियों को सैलरी देने के पैसे नहीं बचते। हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव में रिपब्लिकन पार्टी का कंट्रोल है, लेकिन आंतरिक मतभेद की वजह से उन्हें शटडाउन से बचने के लिए डेमोक्रेट्स पर निर्भर रहना पड़ा।

रिपब्लिकन पार्टी के 170 सांसदों और डेमोक्रेटिक पार्टी के 196 सांसदों ने बिल के पक्ष में वोट दिया। जबकि 34 रिपब्लिकन सांसदों ने इस बिल के खिलाफ वोट दिया। इस तरह 34 के मुकाबले यह बिल 366 वोट से पारित हो गया। अब यह बिल वोटिंग के लिए अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में जाएगा। जहां सांसदों के पास बिल पारित करने और संघीय एजेंसियों को चालू रखने के लिए आधी रात तक का वक्त है। अगर यह बिल सीनेट में पास नहीं हो पाता है तो शटडाउन शुरू हो जाएगा। अगर अमेरिका में सरकारी शटडाउन लगता है तो 8.75 लाख कर्मचारियों को छुट्टी दी जा सकती है, जबकि इमरजेंसी सेवा में लगे 14 लाख कर्मचारियों को बिना वेतन के काम करना पड़ सकता है। पिछली बार 2018 में जब 35 दिनों तक शटडाउन रहा था तब 20 लाख से ज्यादा लोग इससे प्रभावित हुए थे। ट्रम्प की पार्टी में भी बिल को लेकर विरोध

इससे पहले अमेरिका के निचले सदन में गुरुवार रात को शटडाउन रोकने के मकदस

से एक बिल लाया गया था। इस बिल को अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके सहयोगी इलॉन मस्क के समर्थन से रिपब्लिकन पार्टी ने पेश किया था। हालांकि, विपक्षी डेमोक्रेट्स ने विरोध कर इसे गिरा दिया। बिल को पास होने के लिए 435 सांसदों वाले हाउस से दो तिहाई यानी 290 वोटों की जरूरत थी। लेकिन समर्थन में 174 सांसदों ने ही वोट किया। जबकि इसके विरोध में 235 वोट पड़े। बिल का विरोध करने वालों में ट्रम्प की पार्टी के 38 सांसद भी शामिल रहे। इससे पहले हाउस के स्पीकर माइक जॉनसन ने डेमोक्रेटिक पार्टी को साथ लेकर एक बिल तैयार किया था। हालांकि डोनाल्ड ट्रम्प और मस्क ने इस बिल पर कड़ी आपत्ति जताई थी और इसे पेश ही नहीं होने दिया था। सरकारी खर्च चलाने के लिए संसद में बिल पास होना जरूरी अमेरिका में सरकार के कर्ज की एक सीमा तय होती है। वह देश चलाने के लिए उससे ज्यादा उधार नहीं ले सकती है। बीते सालों में सरकार को कैशलेस होने से बचाने के लिए ये सीमा कई बार बढ़ी है। इसके लिए एक बिल अमेरिकी संसद हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में लाया जाता है। मौजूदा बिल को ट्रम्प की ओर से लाया गया था, ताकि राष्ट्रपति बनने पर वे आसानी से देश चला सकें। इसे ही विपक्ष ने खारिज किया है। इसका सीधा मतलब है कि अमेरिका को खर्च के लिए पैसा नहीं मिलेगा। एक बार बिल खारिज होने के बाद इसे दोबारा पास कराने के लिए आज यानी शुक्रवार तक का आखिरी समय है। इसके बाद भी बिल पास नहीं हुआ तो अमेरिकी सरकार के पास सरकारी खर्च के लिए पैसे नहीं बचेंगे। ऐसी स्थिति में अमेरिका में शटडाउन लग सकता है। अगर ऐसा होता है तो इससे अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर खराब असर पड़ेगा और आने वाली ट्रम्प सरकार पर दबाव बढ़ेगा।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का बजट घाटा बहुत ज्यादा है। इसका मतलब ये हुआ कि सरकार का खर्च उसकी कमाई से कहीं ज्यादा है। इसके चलते उसे अपने कामकाज के लिए कर्ज लेना पड़ता है। हालांकि अमेरिकी सरकार जितना चाहे उतना कर्ज नहीं ले सकती है। इसके लिए एक कर्ज सीमा तय होती है। अमेरिकी सरकार अपने खर्चे का भुगतान इसी सीमा के भीतर कर पाती है। अमेरिका में कर्ज लेने की प्रक्रिया 1939 में शुरू हुई थी। लेकिन तब से अब तक कर्ज लेने की सीमा को 103 बार बढ़ाया जा चुका है। आखिरी बार मई 2023 में अमेरिकी सरकार की कर्ज लेने की सीमा 31.4 ट्रिलियन डॉलर यानी कि 26 लाख हजार करोड़ रुपए तय की गई थी। यह 1 जनवरी 2025 को खत्म हो रहा है। बाइडेन सरकार जो विधेयक ला रही थी, उसमें यह प्रावधान था कि 14 मार्च 2025 तक कर्ज सीमा को यूं ही बरकरार रखा जाए। उसके बाद की मामला ट्रम्प सरकार देखे। ट्रम्प और मस्क को इसी से आपत्ति है। ट्रम्प ने कहा कि संसद को कर्ज सीमा से छुटकारा पा जाना चाहिए या फिर इसे 2029 तक बढ़ा देना चाहिए। इसके बिना हम कोई भी समझौता नहीं करेंगे। ट्रम्प ने शुक्रवार सुबह इस मामले पर कहा था कि अगर शटडाउन होता है तो अभी हो जाए, 20 जनवरी के बाद नहीं। यह बाइडेन की समस्या है, लेकिन अगर रिपब्लिकन इसे ठीक करने में मदद कर सकते हैं तो करेंगे। रिपब्लिकन पार्टी के कई सांसद ट्रम्प के कर्ज सीमा से पूरी तरह छुटकारा पाने की मांग से सहमत नहीं हैं।

जर्मनी हमले का वीडियो; भीड़ पर दौड़ा दी कार, पुलिस ने किया गिरफ्तार

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी में क्रिसमस मार्केट में लोगों को कार से रौंदने वाला गिरफ्तार किया जा चुका है। इसकी गिरफ्तारी का ड्रामाटिक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में दिखाई दे रहा है कि संदिग्ध कार चालक को पुलिस ने कैसे गिरफ्तार किया। जर्मन समाचार एजेंसी डीपीए ने एक विजुअल जारी किया है। इसमें दिखाई दे रहा है कि एक पुलिसवाला संदिग्ध पर बंदूक ताने खड़ा है। वह चिल्ला रहा है, लेट जाओ। अपने हाथों को पीछे कर लो। बिल्कुल भी मत हिलो। लोगों को रौंदने वाला संदिग्ध दाढ़ी रखे हुए हैं और चश्मा लगाए हुए है। वह एक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कार के पास जमीन पर लेटा हुआ है। थोड़ी देर के बाद अन्य पुलिसवाले वहां पर पहुंचते हैं और उसको गिरफ्तार कर लेते हैं। संदिग्ध व्यक्ति ने घटना को किस तरह से अंजाम दिया इसका भी वीडियो सामने आया है। इसमें दिखाई दे रहा है कि लोग क्रिसमस मार्केट में खरीदारी कर रहे हैं। इसी वक्त एक कार तेजी से आती है लोगों को रौंदती हुई चली जाती है। इससे वहां पर अफरातफरी मच जाती है। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। मामले में सऊदी अरब के एक 50 वर्षीय शख्स को गिरफ्तार किया गया है। घटना में दो लोग मारे गए हैं, जिनमें से एक छोटा बच्चा है। अधिकारियों के मुताबिक 68 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें 15 की हालत बेहद नाजुक है। सैक्सोनी-एनाहाल्ट राज्य के गृह मंत्री तमारा जीसचांग ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संदिग्ध 50 वर्षीय सऊदी डॉक्टर है जो 2006 में जर्मनी आया था। वह मैगडेबर्ग से करीब 40 किलोमीटर दक्षिण में बर्नबर्ग में डॉक्टरी की प्रैक्टिस करता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर 2200 से ज्यादा हमले, दो दिन में ही तीन मंदिरों में तोड़फोड़; मूर्तियां खंडित

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब मैमनसिंह और दिनाजपुर में बदमाशों ने दो दिन के भीतर तीन हिंदू मंदिरों में आठ मूर्तियों को खंडित कर दिया है। शुक्रवार को एक खबर में यह जानकारी दी गई। 'डेली स्टार' समाचार पत्र के अनुसार पुलिस ने एक मंदिर में तोड़फोड़ के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मैमनसिंह के हलुआघाट उप-जिले में बृहस्पतिवार और शुक्रवार की सुबह दो मंदिरों की तीन मूर्तियों को खंडित कर दिया गया।

मंदिर सूत्रों और स्थानीय लोगों के हवाले से हलुआघाट पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी (ओसी) अबुल खैर ने बताया कि शुक्रवार तड़के बदमाशों ने हलुआघाट के शाकुआई संघ स्थित बोंदरपारा मंदिर की दो मूर्तियों में तोड़फोड़ की। उन्होंने बताया कि इस घटना में अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है और न ही कोई गिरफ्तारी हुई है। अपराधियों ने गुरुवार की तड़के एक अन्य घटना में हलुआघाट के बेलडोरा संघ में पोलाशकंद काली मंदिर में एक मूर्ति को खंडित कर दिया। पुलिस ने शुक्रवार को पोलाशकंद गांव के 27 वर्षीय एक व्यक्ति को उसकी कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया है। ओसी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए अलालउद्दीन ने पूछताछ के दौरान अपना अपराध कबूल कर लिया।

अमेरिका ने सीरिया के नए नेता पर रखा एक करोड़ डॉलर का इनाम वापस लिया; दमिश्क वार्ता के बाद बड़ा फैसला

वॉशिंगटन, एजेंसी। सीरिया के नए नेता और हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) समूह के प्रमुख अहमद अल-शरा को पकड़ने के लिए जिस इनाम का अमेरिका ने एलान किया था, उसे वापस ले लिया है। इस बात का खुलासा अमेरिकी राजनयिक बारबरा लीफ ने किया।

दमिश्क में चर्चा के बाद फैसला : बता दें, एक करोड़ डॉलर का इनाम वापस लेने का फैसला दमिश्क में हुई बातचीत के बाद लिया गया, जो राष्ट्रपति बशर अल-असद के इस महीने सत्ता से हटने के बाद से सीरिया में अमेरिकी अधिकारियों का पहला दौरा था।

एचटीएस पर जताया विश्वास : पूर्वी मामलों की सहायक विदेश मंत्री लीफ ने इस फैसले को उस बैठक के बाद साझा किया, जिसमें उन्होंने अल-शरा (जिन्हें अबू मोहम्मद अल-जुलानी के नाम से भी जाना जाता है) और सीरिया की संक्रमणकालीन प्रशासन के अन्य अधिकारियों से मुलाकात की थी। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका को वार्ता के दौरान सकारात्मक संदेश मिले, जिसमें आश्वासन भी शामिल था कि एचटीएस किसी भी आतंकवादी खतरों को रोकेगा। उन्होंने आगे कहा कि हमारी चर्चा के आधार पर मैंने बताया कि हम एलान किए इनाम को वापस ले रहे हैं।

दमिश्क में हुई चर्चाएं अमेरिका के सीरिया के प्रति राजनैतिक प्रयासों में एक महत्वपूर्ण बदलाव को उजागर करती हैं। हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस), जिसने असद को सत्ता से हटाने का

अभियान चलाया था, को 2018 में अमेरिकी द्वारा आतंकी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया गया था, क्योंकि इसके अल-कायदा से संबंध थे।

क्या बोलीं लीफ : हालांकि, अब लीफ ने सीरिया के संक्रमणकालीन काल में समावेशन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, हम एक सीरिया-निर्देशित और सीरिया-स्वामित्व वाले राजनीतिक प्रक्रिया का पूरी तरह समर्थन करते हैं, जो एक समावेशी और प्रतिनिधि सरकार का निर्माण करे, जो सभी सीरियाई नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करे, जिसमें महिलाएं और सीरिया के विविध जातीय और धार्मिक समुदाय शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने फिलहाल एचटीएस को आतंकी सूची से नहीं हटाया है। साथ ही यह भी बताया गया कि इनाम वापस लेने का फैसला कोई सीधा सौदा नहीं है, बल्कि यह चर्चा को सुविधाजनक बनाने के लिए है, जो उत्पादक, सुरक्षित और स्थिर सीरिया की ओर बढ़ सकती है।

यह मुद्दा भी अहम : पत्रकार ऑस्टिन टाइस, जो 2012 में गायब हुए थे, उनके बारे में पता लगाना भी अमेरिका के लिए एक अहम मुद्दा है।

क्रोएशिया: स्कूल में चाकू से हमले की घटना, छात्रा की मौत, शिक्षक समेत 8 घायल

जाग्रेब, एजेंसी। क्रोएशिया के जाग्रेब में एक स्कूल में बड़ी घटना सामने आई है. मानसिक रूप से बीमार एक युवक ने कक्षा में घुसकर चाकूबाजी की जिससे एक सात वर्षीय लड़की की मौत हो गई जबकि आठ अन्य घायल हो गए. घायलों में एक शिक्षक भी शामिल है. घायलों का इलाज चल रहा है. आरोपी हमलावर पकड़ा गया. जानकारी के अनुसार एलिमेंट्री स्कूल में शुक्रवार की सुबह एक युवक कक्षा में घुस गया और चाकू से हमला करना शुरू कर दिया. हमले के बाद स्कूल में हड़कंच मच गया. आपातकालीन सेवा के लिए कर्मचारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे. घायलों को हेलीकॉप्टर की मदद से विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया. इस बीच सूचना पाकर पुलिस मौक पर पहुंची और हमलावर को काबू में किया. हमलावर की पहचान 19 वर्षीय प्रेको के रूप में हुई. वह उसी एलिमेंट्री स्कूल का पूर्व छात्र माना जाता है. वह कथित तौर पर स्कूल के पास रहता था. इस हमले में सात वर्षीय लड़की की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए. इसमें एक शिक्षक भी शामिल हैं. शिक्षक की हालत गंभीर है. पांच

घायल छात्रों में से तीन को मामूली चोटें आई हैं. घायल छात्रों का शहर के अस्पतालों में इलाज चल रहा है. अधिकारियों ने पुष्टि की है कि शिक्षक की हालत गंभीर बनी हुई है. पुलिस का कहना है कि हमलावर पुलिस की हिरासत में है. घायलों का इलाज चल रहा है. क्रोएशियाई गृह मंत्री डेवोर बोजिनोविच ने पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया की प्रशंसा की. उन्होंने हमला शुरू होने के 10 मिनट बाद ही हमलावर को काबू कर लिया. उधर हमलावर की मां ने क्रोएशियाई मीडिया से बात करते हुए बताया कि उसका बेटा कई सालों से मानसिक रूप से बीमार है. उसे कई बार मनोरोग वार्ड में भर्ती कराया गया. आरोपी की मां ने कहा कि उसने डॉक्टर से उसे नहीं छोड़ने के लिए विनती की थी. उसकी मां को एहसास था कि वह अस्पताल से बाहर रहने के लिए मानसिक रूप से फिट नहीं है. उसने पांच साल पहले स्कूल से स्नातक किया था. क्रोएशियाई सरकार ने इस घटना पर अपनी चिंता व्यक्त की है. प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच ने इस त्रासदी की निंदा की और कहा कि राष्ट्र इस हमले से स्तब्ध है।

पूर्व आईएमएफ चीफ राटो को भ्रष्टाचार मामले में चार साल की जेल

मैड्रिड, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पूर्व प्रबंध निदेशक और स्पेन के उप प्रधानमंत्री रोड्रिगो राटो को मैड्रिड प्रांतीय अदालत ने चार साल नौ महीने कैद की सजा सुनाई। 75 वर्षीय रोड्रिगो राटो को टैक्स फ्रॉड, धन शोधन और भ्रष्टाचार के मामले में दोषी पाया गया। साल 1996 से 2004 तक जोस मारिया अजनार की पीपुल्स पार्टी (पीपी) सरकार के दौरान उप प्रधानमंत्री और अर्थव्यवस्था मंत्री के रूप में कार्य करने वाले राटो को बहामास, स्विट्जरलैंड, मोनाको, लक्जमबर्ग और यूनाइटेड किंगडम सहित अन्य स्थानों पर बैंक खातों में संपत्ति छिपाने के मामले में दोषी पाया गया।

जांचकर्ताओं ने अघोषित निधियों और पूंजीगत लाभ में 15 मिलियन यूरो (15.6 मिलियन) से अधिक का पता लगाया। सुनवाई के दौरान, पूर्व बैंकर अन्य 16 प्रतिवादियों के साथ बेंच पर बैठे थे, जिनमें रिश्तेदार और करीबी सहयोगी शामिल थे जिन पर धोखाधड़ी की योजना बनाने में उनकी मदद करने का आरोप था। अभियोजकों ने आरोप लगाया कि 2005 से 2015 के बीच के दशक में राटो ने स्पेनिश टैक्स ऑफिस को धोखा दिया और 8.5 मिलियन यूरो (9.3 मिलियन) की राशि अपनी जेब में भर ली थी।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक अदालत ने यह भी पाया कि राटो ने मारियानो राजोय की पीपी सरकार द्वारा शुरू की गई 2012 की टैक्स माफी का

फायदा उठाया, लेकिन अपने स्वामित्व वाली किसी भी कंपनी की घोषणा करने में विफल रहा। स्पेन के भ्रष्टाचार निरोधक कार्यालय ने कहा कि अपने वित्त को नियमित करने के बजाय, राटो ने अवैध रूप से प्राप्त धन को लूटने के साधन के रूप में माफी का इस्तेमाल किया। बता दें कि राटो को दूसरी बार जेल की सजा हुई है। फरवरी 2017 में उन्हें विफल बैंकिया सेविंग्स बैंक के सीईओ के रूप में कार्य करते हुए 500 से अधिक अघोषित खरीद और नकद निकासी के लिए एक गुप्त कॉर्पोरेट क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने के लिए चार साल और छह महीने की सजा सुनाई गई थी। उन्होंने अक्टूबर 2018 से अक्टूबर 2020 तक दो साल जेल में काटे।

संयुक्त राष्ट्र ने मनाया विश्व ध्यान दिवस, आध्यात्मिक गुरु ने कहा- यह सभी धर्मों और समय से परे

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के नेताओं ने आज 21 दिसंबर को न्यूयॉर्क में विश्व ध्यान दिवस मनाया। इस खास मौके पर उन्होंने ध्यान को सभी धर्मों और सीमाओं से परे बताया। उनका कहना है कि मौजूदा समय में जारी संघर्षों और अविश्वास में यह (ध्यान) कूटनीति का एक शक्तिशाली साधन है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने शुक्रवार को पहले विश्व ध्यान दिवस के मौके पर एक विशेष कार्यक्रम वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए ध्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र के राजदूतों, अधिकारियों, कर्मचारियों, नागरिक समाज के सदस्यों के साथ-साथ भारतीय-अमेरिकी प्रवासी भी शामिल हुए।

श्री श्री रविशंकर ने कार्यक्रम को किया संबोधित : आध्यात्मिक नेता गुरुदेव श्री श्री रविशंकर ने इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आजकल ध्यान कोई लक्जरी नहीं है बल्कि एक आवश्यकता है। ध्यान एक ऐसी चीज है, जिसे आप कहीं भी लगा सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि कई लोग जैसे ही ध्यान शब्द सुनते हैं, उन्हें लगता है कि यह अभ्यास या तो किसी धर्म से है या उनके धर्म ने इसे नहीं सिखाया। आध्यात्मिक नेता गुरुदेव श्री श्री रविशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि ध्यान सभी धर्मों और सभी भौगोलिक सीमाओं से परे है, इसलिए यह कई मायनों में बहुत उपयोगी है।

यूएन महासभा के अध्यक्ष ने भी मनाया विश्व ध्यान दिवस : यूएन महासभा के अध्यक्ष फिलेमोन यांग ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ध्यान सभी सीमाओं,

परंपराओं और समय से परे है। आज दुनिया में सभी को शांति चाहिए। दुनिया में तनाव के कारण यह जरूरी हो गया है कि हम शांति और शांति लाने वाली हर चीज को अपनाएं। आइए हम सभी के लिए एक सुरक्षित, अधिक न्यायसंगत भविष्य लाने के लिए अपने द्वारा साझा किए गए इस अभ्यास को आगे बढ़ाएं।

इस महीने की शुरुआत में 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सर्वसम्मति से 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस मनाने की घोषणा की। ऑपरेशनल सपोर्ट के अवर महासचिव अतुल खरे ने कहा कि नागरिक और कर्मचारी दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों पर उच्च दबाव के साथ काम करते हैं। वे अपने परिवार और घर से दूर होते हैं। इससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में 26, 27 और 28 दिसंबर को बारिश की संभावना अरब सागर में ट्रफ बनने से मौसम में बदलाव

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में आगामी 26, 27 और 28 दिसंबर को बारिश होने की संभावना जताई गई है। अरब सागर में ट्रफ सिस्टम बनने के कारण मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। इस बदलाव के चलते राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने किसानों और आम लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है, ताकि वे मौसम के प्रभाव का सही तरीके से सामना कर सकें।

राज्य का मौसम पिछले 24 घंटों से बदला हुआ है, अगले 48 घंटों में तापमान में बड़ा बदलाव संभव: मौसम विभाग राज्य में पिछले 24 घंटों से मौसम में बदलाव देखा गया है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में बड़े बदलाव की संभावना जताई है। अगले 48 घंटों के बाद राज्य के अधिकांश जिलों का न्यूनतम तापमान 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है।

इसके अलावा, अगले एक सप्ताह के दौरान गुजरात के मौसम में कई बदलाव हो सकते हैं। 26, 27 और 28 दिसंबर को सौराष्ट्र-कच्छ, उत्तर गुजरात, पूर्वी गुजरात और दक्षिण गुजरात के कुछ हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। पूरे सप्ताह राज्य में बादल छाए रहने का अनुमान है।

आज सूरत में घने कोहरे के कारण हिल स्टेशन जैसा माहौल नजर आया।

देशभर में गुजरात को अन्य राज्यों की तुलना में सबसे लंबी समुद्री तटरेखा मिली है। गुजरात के पश्चिमी हिस्से में अरब सागर स्थित है, जहां से बड़ी मात्रा में नमी गुजरात की ओर आ रही है, जिससे वातावरण की ऊपरी परत में बादल बने हैं। इस कारण राज्य में बादल छाए रहने की संभावना है।

इसके अलावा, वर्तमान में गुजरात में पूर्व और दक्षिण-पूर्व दिशा से हवाएं आ रही हैं। एक ओर अरब सागर से आ रही नमी और दूसरी ओर पूर्व व दक्षिण-पूर्व दिशा से आने वाली हवाओं के कारण राज्य में बारिश की संभावना बन रही है। इन विभिन्न मौसमी प्रणालियों के कारण सर्दियों के दौरान गुजरात में बारिश हो सकती है।

फिलहाल, मौसम में जो बदलाव हुआ है, उससे अरब सागर की नमी गुजरात में आ रही है, जिससे तापमान में वृद्धि हुई है। इससे गुजरातवासियों को ठंड से राहत मिली है। अगले एक सप्ताह तक मौसम इसी तरह रहने की संभावना है।

इसका मतलब है कि दिसंबर में हाड़ कंपाने वाली ठंड के बाद अब गुजरातवासी बारिश का अनुभव करेंगे।

मौसम विभाग वैज्ञानिक के अनुसार, गुजरात पर वर्तमान में विभिन्न मौसमी प्रणालियों का प्रभाव हो रहा है, जिसके कारण मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। अरब सागर में ट्रफ का निर्माण हुआ है।

इसके अलावा, दक्षिण राजस्थान के ऊपर एक प्रेरित चक्रवातीय परिसंचरण (इंड्यूस्ड साइक्लोनिक सर्कुलेशन) भी सक्रिय है। साथ ही, पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) जो गुजरात के आसपास प्रभाव डाल रहा है, इन सभी मौसमी प्रणालियों के कारण गुजरात में बादल छाए रहने के साथ बारिश की संभावना बनी हुई है।

स्कूल के पास खेत में मिला मानव कंकाल

हजीरा में लकड़ी काटने गए मजदूर दृश्य देखकर रह गए हैरान, हत्या की आशंका में जांच शुरू

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के हजीरा क्षेत्र में एक स्कूल के पास स्थित खेत में मानव कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया। लकड़ी काटने निकले मजदूरों ने जब यह दृश्य देखा, तो वे चौंक गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कंकाल को अपने कब्जे में लिया और हत्या की आशंका के तहत मामले की जांच शुरू कर दी है।

फिलहाल पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह कंकाल किसका है और यहां कैसे पहुंचा। घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है।

सूरत के हजीरा इलाके में नवजागृति स्कूल के पास स्थित खेत में मानव कंकाल मिलने की खबर से सनसनी फैल गई है। लकड़ी काटने गए मजदूरों को यह कंकाल नजर आया, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

हजीरा पुलिस मौके पर पहुंची और मानव कंकाल को कब्जे में लेकर नई सिविल अस्पताल भेज दिया, जहां फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया। प्रारंभिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चला है कि कंकाल 30 से 40 वर्ष के एक पुरुष का है और इस व्यक्ति की मृत्यु लगभग तीन महीने पहले हुई थी।

कंकाल किस परिस्थिति में खेत में आया, इसे लेकर पुलिस को शक है कि यह किसी हत्या का मामला हो सकता है। हजीरा पुलिस वर्तमान में मृत्यु के कारण और मृतक की पहचान जानने के लिए विभिन्न दिशा में जांच कर रही है।

कंकाल पूरी तरह से विघटित अवस्था में होने के कारण मृतक की पहचान पुलिस के लिए मुश्किल हो गई है। हजीरा पुलिस मृतक की पहचान पता लगाने के लिए स्थानीय मिसिंग पर्सन रिपोर्ट की जांच कर रही है और नागरिकों से भी मृतक की पहचान में मदद करने की अपील कर रही है।

नजदीकी इलाकों में रहने वाले लोगों ने इस घटना को लेकर चिंता जताई है और पुलिस से जांच को जल्दी निपटाने और दोषियों को पकड़ने का दबाव डाला है। हजीरा पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हम फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर इस मामले को आगे बढ़ा रहे हैं। मृतक की पहचान करने के लिए सभी प्रयास किए गए हैं और इस घटना की जांच जारी है।

खड़सद गांव में देसी शराब के कार्टिंग के दौरान विजिलेंस टीम ने मारा छापा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

खड़सद गांव में देसी शराब की अवैध ढुलाई (कार्टिंग) के दौरान विजिलेंस टीम ने छापा मारा। टीम ने मौके से शराब के कार्टिंग के आरोपियों को पकड़ने के साथ ही कार्रवाई की है। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विजिलेंस टीम ने 2.52 लाख रुपये की अवैध शराब, 2 बाइक और एक वैन के साथ चालक को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई खड़सद गांव में देसी शराब की अवैध ढुलाई के दौरान की गई, जहां पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी आरोपियों को पकड़ लिया और शराब जब्त की।

गांधीनगर स्टेट मॉनिटरिंग सेल (SMC) टीम ने एक बार फिर कामरेज के खड़सद में छापेमारी की और 2.52 लाख रुपये मूल्य का देसी शराब का जखीरा जब्त किया। SMC टीम को मिली सूचना के आधार पर कामरेज के खड़सद इलाके के बूटलेगर मुन्नालाल उर्फ मुन्नो रामनारायण गुप्ता अपने साथियों के माध्यम से अलग-अलग स्थानों पर बेचा जाने वाला देसी शराब का जखीरा गन्ने के खेत में उतार रहा था।

सूचना के आधार पर टीम ने गन्ने के खेत के आस-पास निगरानी रखी। समय-समय पर आई मारुति वैन (नंबर GJ05-BZ-2573) के चालक को पकड़ लिया, जबकि एक्टीवा और स्प्लेंडर बाइक सवार दोनों वाहन छोड़कर भाग गए। मौके से 2.52 लाख रुपये मूल्य का 1260 लीटर देसी शराब, मारुति वैन, स्प्लेंडर, एक्टीवा सहित कुल 5.42 लाख रुपये का माल जब्त किया गया।

मारुति वैन के चालक सुरेश छनाभाई वसावा को गिरफ्तार किया गया। खड़सद के बूटलेगर मुन्नालाल उर्फ मुन्नो रामनारायण गुप्ता, सुभाषभाई, राजू, पवन और अन्य अज्ञात व्यक्तियों को वॉन्टेड घोषित किया गया है।

सूरत के डॉक्टर के डुप्लिकेट सर्टिफिकेट्स रैकेट का खुलासा

वलसाड में कपराडा तालुका के डाभखल और हेदरबारी गांव से ऊंट वैद भूमिगत उतरे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डॉक्टर के डुप्लिकेट सर्टिफिकेट्स रैकेट का पर्दाफाश वलसाड में हुआ। कपराडा तालुका के डाभखल और हेदरबारी गांव से ऊंट वैद भूमिगत उतरने के मामले सामने आए हैं। इन गांवों में अवैध रूप से चिकित्सा सर्टिफिकेट्स बनाए जा रहे थे, और सर्टिफिकेट्स का दुरुपयोग करके चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा रही थीं। पुलिस ने इस रैकेट का खुलासा किया और कार्रवाई शुरू की है।

वलसाड जिले के कपराडा तालुका के हेदरबारी और डाभखल गांव में इलेक्ट्रो डिग्री धारक ऊंट वैदों द्वारा अवैध चिकित्सा सेवाएं देने की खबर सामने आई। जब वलसाड जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम ने चेकिंग शुरू की, तो ऊंट वैद भूमिगत उतर गए थे और भाग गए थे।

पूरे गुजरात में करीब 1200 लोग ऐसे हैं जिन्हें फर्जी डिग्रियां दी गई थीं,

जिससे स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई और भी तेज हो गई। पिछले कुछ दिनों से सूरत शहर में फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ अभियान चलाया था, जिसके परिणामस्वरूप कई फर्जी डॉक्टरों का खुलासा हुआ था। दिव्य भास्कर की रिपोर्ट के बाद अब पूरे गुजरात का स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया है।

सूरत पुलिस ने फर्जी डॉक्टरों के रैकेट का खुलासा करते हुए बताया कि पूरे गुजरात में 1200 लोगों को फर्जी डॉक्टर की डिग्री दी गई थी। इस रैकेट के मुख्य आरोपी समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सूरत पुलिस की टीम ने गिरफ्तार आरोपियों से प्राथमिक पूछताछ के बाद यह खुलासा किया कि कपराडा तालुका के डाभखल और हेदरबारी गांव में रतन मंडल और डाभखल गांव में प्रवीण नामक व्यक्तियों को फर्जी सर्टिफिकेट्स दिए गए थे।

घटना की जानकारी मिलने के बाद वलसाड जिले के कपराडा तालुका स्वास्थ्य विभाग की टीम ने TDO महेश पटेल के नेतृत्व में चेकिंग अभियान शुरू किया।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने डाभखल और हेदलबारी गांव में जाकर चेकिंग की, जिसमें दोनों डॉक्टरों ने अपनी क्लिनिक बंद कर दी थी और 10 दिनों से भूमिगत हो गए थे।

वलसाड जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित ऊंट वैदों के क्लिनिक पर चेकिंग जारी रखे हुए है।

जल संचय के लिए महिलाओं से एक गांव को गोद लेने का पाटिल का आह्वान;कहा-घर में महिलाओं का ही चलता

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

'जलसंचय जनभागीदारी' अभियान के तहत सूरत के वेसु श्याम मंदिर से मेहंदीपुर बालाजी मंदिर तक 'जल संचय महिला पदयात्रा' आयोजित की गई। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने कलश में जल लेकर पदयात्रा में भाग लिया। जल संरक्षण के लिए एकजुट हुई महिलाओं को पाटिल ने बधाई दी। मजाक करते हुए पाटिल ने कहा कि जलसंचय के लिए महिलाओं को अपने मायके का गांव गोद लेने पर जोर देना चाहिए। घर में तो महिलाओं का ही चलता है। मेरे घर में तो मेरा भी नहीं चलता।

इस कार्यक्रम में सी.आर. पाटिल ने कहा कि जमीन के भीतर बड़े पैमाने पर पानी का भंडारण करने की क्षमता है। इस बारिश के पानी को संरक्षित करके हम भविष्य की पीढ़ी को अकूत जल भंडार विरासत में दे सकते हैं। जल संचय के लिए 'कर्मभूमि से जन्मभूमि' अभियान में शामिल होकर सूरत में रहने वाले अन्य राज्यों के प्रमुखों से अपने क्षेत्रों में वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य करने का अनुरोध किया।

प्रधानमंत्री ने 2021 में 'कैच द रेन' प्रोजेक्ट की पहल की थी, जो अब पूरे देश में जन आंदोलन बन गया है। राजस्थान में, तकनीकी युग में छोटी-बड़ी 11 नदियों को जोड़ने के लिए रिवर लिंकिंग का कार्य शुरू किया गया है। आने वाले समय में राजस्थान में 1.60 लाख रिचार्ज बोरवेल बनाए जाएंगे।

पाटिल ने आगे कहा कि केंद्र सरकार पानी के संरक्षण और उसके सही उपयोग पर विशेष ध्यान दे रही है, ऐसे में जलसंचय की गतिविधि को आंदोलन बनाना जरूरी है। जब जलसंचय की जिम्मेदारी महिला शक्ति संभालती है, तो यह प्रयास समाज की जड़ों तक पहुंचता है। 'नारीशक्ति जलसंचय यात्रा' इसका उत्कृष्ट उदाहरण है।

बहनों से आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि अपने मायके के गांव को गोद लेकर जलसंचय में सहभागी बनें। मजाक करते हुए पाटिल ने कहा, "ऐसी एक भी महिला दिखाओ जिसका घर में कुछ नहीं चलता। मेरे घर में तो मेरा भी नहीं चलता।"

सुरत पुलिस ने शौक के लिए तमंचा खरीदने और मध्य प्रदेश से सुरत लाने वाले आरोपी को गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने अवैध हथियार मध्य प्रदेश से खरीदा और इसे सुरत में अपने शौक के लिए लाया। जब पुलिस को उसकी गतिविधियों की सूचना मिली, तो उन्होंने जांच के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। यह मामला सुरत में अवैध हथियारों की तस्करी को रोकने के प्रयास का हिस्सा है।

आरोपी के खिलाफ पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड दर्ज है, जिसमें मारपीट के आरोप शामिल हैं। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि उसने तमंचा कहां से खरीदा और इसे लाने में किसी और की संलिप्तता है या नहीं।

सूरत के वराछा इलाके में शौक के लिए अवैध हथियार रखने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने देशी निर्मित तमंचा और दो जिंदा कारतूस के साथ आरोपी विवेक अश्विनभाई गोहिल को पकड़ा है।

आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उससे पूछताछ शुरू कर दी है। पूछताछ के दौरान पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि उसने यह हथियार कहां से खरीदा और इसका उपयोग करने की योजना क्या थी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है

बहन-भाभी की मौत के बाद गलत तरीके से नाम दर्ज कर धोखाधड़ी

जमीन में भाई के साले ने प्रॉपर्टी कार्ड में नाम दर्ज कराया, पारडी तालुका पुलिस में शिकायत दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पारडी तालुका में एक धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जिसमें बहन और भाभी की मौत के बाद उनके नाम को गलत तरीके से जमीन के प्रॉपर्टी कार्ड में दर्ज किया गया। भाई के साले ने उनकी प्रॉपर्टी पर अपना नाम दर्ज करवाने के लिए धोखाधड़ी की। इस मामले में शिकायत दर्ज करवाई गई है और पुलिस जांच कर रही है।

वलसाड जिले के पारडी में पारडीवाला परिवार की एक संपत्ति है, जिसमें दो भाइयों और एक बहन का नाम दर्ज था। इस संपत्ति में भाई-भाभी के निधन के बाद, उनके कोई संतान नहीं होने के कारण, भाई के साले ने गलत शपथ पत्र प्रस्तुत कर प्रॉपर्टी कार्ड में अपना नाम दर्ज करवा लिया और धोखाधड़ी की। इस मामले में पारडी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। पारडी पुलिस टीम ने शिकायत का बयान लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

वलसाड जिले के पारडी में काली मीणू पारडीवाला, उसके भाई सरोष पारडीवाला और बहन खुरशीद पारडीवाला रहते हैं। सरोष पारडीवाला ने पारडी में स्थित सर्वे नंबर 3675 वाली ज़मीन खरीदी थी। सरोष पारडीवाला के कोई संतान नहीं थे। 2005 में, सरोष पारडीवाला ने अपनी ज़मीन काली मीणू पारडीवाला के बेटे फरजान पारडीवाला को बेच दी थी, और इस लेन-देन के बाद प्रॉपर्टी कार्ड में फरजान पारडीवाला का नाम दर्ज किया गया था।

2009 में, सरोष पारडीवाला की पत्नी मायाबेन पारडीवाला और उनके भाई राजेश हरियाकरे ने प्रॉपर्टी कार्ड की जांच की, जिसमें उन्हें फरजान पारडीवाला का नाम उनकी संपत्ति के कार्ड में दर्ज पाया। इसके बाद उन्होंने पारडी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें बताया कि सरोष पारडीवाला ने फरजान को अपनी जमीन बेची थी। इस मामले के बाद केस सी समरी में बंद कर दिया गया था।

वर्ष 2011 में, सरोष पारडीवाला ने फरजान पारडीवाला से फिर से जमीन खरीदने की इच्छा व्यक्त की। फरजान ने वह जमीन सरोष पारडीवाला को 7.50 लाख में बेची, और सरोष ने इसके बदले चेक दिया। हालांकि, चेक बाउंस हो गया, जिसके बाद कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई गई।

यह मामला अलग-अलग अदालतों में चल रहा था, तभी सरोष पारडीवाला और उनकी पत्नी मायाबेन पारडीवाला का निधन हो गया।

>> सैकड़ों भक्तों ने किया भूमिदान संकल्प

ज्ञान का विकास करती है मथुरा लीला गौरव कृष्ण गोस्वामी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में रविवार को दो सौ से अधिक भक्तों ने भूमिदान संकल्प पूजा करके बाबा श्याम को अर्पण किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने बताया कि भूमिदान संकल्प के लिए भक्तों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

ट्रस्ट के सचिव राजेश दोदराजका ने बताया की श्रीमद् भागवत कथा के छटवें दिन व्यासपीठ से वृंदावन के गौरव कृष्णा गोस्वामी में कहा की प्रभु श्री कृष्ण की मथुरा लीला जीव के हृदयान्धकार को नष्ट कर ज्ञान का विकास करती है। जिस ज्ञान के माध्यम से जीव पूर्ण ब्रम्हा श्रीकृष्ण से साक्षात्कार करता है। परमात्मा श्रीकृष्ण ने अपनी मथुरा लीला में अज्ञान रूपी कंस का उद्धार कर ज्ञान का सम्बर्धन किया। यहाँ तक कि साक्षात् बृहस्पति के शिष्य उद्धव जी के ज्ञान को प्रभु ने गोपियों के द्वारा भक्तित का चादर उड़ाकर परिपूर्ण किया।

कथा के दौरान श्री रूक्मिणी विवाह महोत्सव बहुत ही धूम-धाम से मनाया गया। इस प्रसंग पर महाराज ने कहा कि श्री रूक्मिणी जी ने अपने जीवन में किये

हुए सत्कार का फल केवल प्रभु को ही माँगा। जिसको प्रभु श्री द्वारिकाधीश ने स्वयं रूक्मिणी के कुणिनपुर जाकर रूक्मिणी को प्रधान पटरानी बनाकर पूर्ण किया। कथा का समापन सोमवार को होगा।

आयोजन में भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकार सत्तुजी च्याधे-राधेज्ज के अलावा कोलकाता के श्याम अग्रवाल एवं जयपुर के प्रमोद त्रिपाठी में भजनों की प्रस्तुति दी।